NELSON MANDELA INTERNATIONAL DAY

दैनिक

# सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 04/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 18 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in


### सेंसेक्स 550 अंक गिरकर 81,700 पर कारोबार कर रहा: निफ्टी भी 180 अंक लुढ़का

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार, 18 जुलाई को सेंसेक्स करीब 550 अंक गिरकर 81,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में करीब 180 अंक की गिरावट है, ये 24,930 के स्तर पर है।

## खुली गाड़ी से मंच तक पहुंचे पीएम

इससे पहले पीएम खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन करते हुए मंच तक पहुंचे हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी ष्टरूभी मौजूद रहें। इस दौरान उनकी गाड़ी पर फूलों की बारिश होती रही है। मोदी-मोदी और भारत माता के नारे लगते रहे। क्रम्मोदी बिहार को 7196 करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत की। इसके साथ ही चार अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 2025 में पीएम का ये पांचवां बिहार दौरा है। इससे पहले ये सीवान, भागलपुर, मधुबनी, पटना, शाहबाद के इलाके में जनसभा को संबोधित कर चुके हैं।

# पुणे की तरह पटना, मुंबई जैसा मोतिहारी होगा: मोदी

## मैंने बिहार से बदला लेने वाली राजनीति खत्म की, 7196 करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत

**मोतिहारी।** पीएम नरेंद्र मोदी ने मोतिहारी में सभा को संबोधित करते हुए कहा - दुनिया बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। एक समय जो ताकत पश्चिमी देशों के पास होती थी, उसमें पूर्व के देशों का दबदबा बढ़ रहा है। पूर्व के देश अब विकास की नई रफ्तार पकड़ रहे हैं।

जैसे दुनिया में पूर्वी देश विकास की दौड़ में आग जा रहे हैं। वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। हमारा संकल्प है। आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूर्व में मोतिहारी का नाम होगा। जैसे अवसर गुरुग्राम हैं वैसे ही अवसर गयाजी में बने। पुणे की तरह पटना होगा।

यहां बिहार में विकास करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और एनडीए की सरकार थी तो यूपीए के 10 साथ में बिहार के करीब 2 लाख करोड़ के आसपास मिले थे। यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। बिहार से बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में मुझे सेवा करने का मौका मिला। मैंने बिहार से बदला लेने वाली पुरानी राजनीति भी खत्म कर दी।

### पहले लोग रोजगार के नाम पर जमीन लिखवा लेते थे

लालू पर निशाना साधते हुए कहा- ये लोग रोजगार के नाम पर आपकी जमीनें लिखवा लिया करते थे। अब ऐसा नहीं है सरकार युवाओं को रोजगार दे रही है। एनडीए की सरकार के साथ मिलकर बिहार ने ये सफर तय किया है।

### हमारा संकल्प है समृद्ध बिहार, हर युवा को रोजगार

पीएम ने कहा- देश में हमने 3 करोड़ दीदी को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा है। अबतक डेढ़ करोड़ दीदी लखपति बन चुकी हैं। आपके बिहार में 20 लाख से ज्यादा जीविका दीदी लखपति बनी है। भाजपा-एनडीए का विजन है, जब बिहार आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा। हमारा संकल्प है समृद्ध बिहार, हर युवा को रोजगार।

### पीएम मोदी ने अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

पीएम मोदी इस दौरान सिर्फ पूर्वी चंपारण के लिए 700 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। साथ ही देश के लिए 4 अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इनमें से एक ट्रेन मोतिहारी से दिल्ली के बीच चलेगी।

पीएम मोदी समस्तीपुर-बछवाड़ा रेल खंड पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सुविधा राष्ट्र को समर्पित किया। इसके अलावा दरभंगा-थलवाड़ा और समस्तीपुर-रामभद्रपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, जो 580 करोड़ की दरभंगा-समस्तीपुर दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है। इससे ट्रेनों की लेटलतीफी घटेगी और रफ्तार बढ़ेगी।

**सांध्यप्रकाश विशेष**

## क्या सस्ता होने वाला है पेट्रोल डीजल? कच्चे तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

**नई दिल्ली।** बढ़ती पेट्रोल और डीजल की कीमतें उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय रही हैं। हालांकि, अब एक सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जगी है क्योंकि भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया है कि कच्चे तेल की कीमतों में जल्द ही गिरावट हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि वैश्विक हालात ऐसे ही बने रहे और कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रही, तो भारत में अगले तीन-चार महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतों में कमी हो सकती है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें गिर सकती हैं क्योंकि नए कच्चे तेल के स्रोत सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा, तेल की कीमतें कम होंगी क्योंकि नए स्रोत सामने आ रहे हैं। अब हमारे पास तेल की आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था है। यह दर्शाता है कि भारत ने अब अपने तेल आपूर्तिकर्ताओं की संख्या बढ़ाकर किसी एक देश पर निर्भरता कम कर दी है। अब भारत 40 देशों से तेल आयात कर रहा है, जो पहले केवल कुछ देशों तक सीमित था। भारत की वैश्विक तेल बाजार में भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ रही है। पुरी ने बताया कि भारत का योगदान वैश्विक तेल बाजार में 16 प्रतिशत तक बढ़ चुका है और आने वाले वर्षों में यह 25 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि भारत सिर्फ उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन रहा है। अमेरिका के संभावित प्रतिबंधों पर पुरी ने कोई चिंता नहीं जताई, और उन्होंने कहा, अगर एक दरवाजा बंद होता है, तो दूसरा खुल जाता है। इससे यह साफ है कि भारत अब ऊर्जा सुरक्षा और विदेश नीति के मामले में अधिक आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से मजबूत स्थिति में है। देश की तेल आयात नीति के बदलाव से वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनी रहेगी।

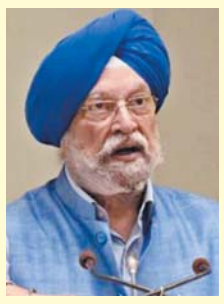

## अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया

### पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी

**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की लिस्ट में डाल दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मार्को रुबियो ने लिखा, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के पहलगाम हमले के लिए न्याय का आह्वान है। यह कार्रवाई हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति ट्रंप प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। टीआरएफ एक आतंकी संगठन है जो मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीआरएफ पर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग की मजबूत पुष्टि हुई है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो को धन्यवाद कि उन्होंने टीआरएफ (लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन) को विदेशी आतंकी संगठन (टीआरएफ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी (एसडीजीटी) घोषित किया।

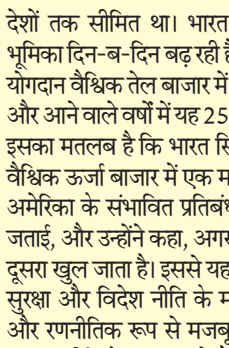

**सीएम डॉ मोहन यादव के स्पेन प्रवास का तीसरा दिन आज**

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बार्सिलोना में सबमर कंपनी का दौरा किया

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को भविष्य की जरूरतों के अनुसार तैयार करने और वैश्विक स्तर पर डेटा सेंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तथा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को स्पेन के बार्सिलोना में स्थित इमर्शन कूलिंग टेक्नोलॉजी में अग्रणी कंपनी सबमर के मुख्यालय का दौरा किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सबमर की अत्याधुनिक तकनीकों, कार्यप्रणाली और ग्रीन एनर्जी समाधानों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्हें स्मार्ट पोड और माइक्रो पोड जैसी उन्नत तकनीकों के साथ ही कंपनी की डिजाइन एंड बिल्ड क्षमताओं तथा इनोवेशन लैब्स की जानकारी दी गई। सबमर ने बताया कि वह अब तक 400 मेगावॉट से अधिक इमर्शन कूलिंग समाधान विश्वभर में तैनात कर चुकी है और ओसीपी-रेडी ग्रीन कूलिंग सॉल्यूशन प्रदान करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कंपनी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश डेटा सेंटर और एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में वैश्विक निवेश के लिए एक नई ऊर्जा और अवसर का केंद्र बन रहा है। सबमर जैसी अग्रणी तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी से राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

दौरे के दौरान सबमर और मध्यप्रदेश सरकार के बीच संभावित रणनीतिक सहयोग पर चर्चा हुई। कंपनी सबमर को मध्यप्रदेश में तकनीकी सलाहकार और सर्टिफायर के रूप में शामिल कर, नए डेटा सेंटर परियोजनाओं की डिजाइन, सस्टेनेबिलिटी और एआई-रेडिनेस के मानकों को परिभाषित करने में भागीदार बनाया जाएगा। सबमर ने यह भी अवगत कराया कि वह भारत में अपनी कमर्शियल, आरएंडडी और प्रोडक्शन इकाइयों की स्थापना की योजना बना रही है। इसके लिए मध्यप्रदेश को प्राथमिकता देते हुए कंपनी के इंडिया हेड देव त्यागी जुलाई के अंत में मध्यप्रदेश का दौरा करेंगे, जिससे संभावित साझेदारियों को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह यात्रा न केवल तकनीकी नवाचारों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का माध्यम बनी, बल्कि यह प्रदेश को ग्रीन और एआई-रेडी डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ठोस कदम भी सिद्ध होगी।

### स्मार्ट सिटी एवं नवाचार केंद्रों का भ्रमण किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर बाद बार्सिलोना के स्मार्ट सिटी एवं नवाचार केंद्रों का भ्रमण किया। इस भ्रमण में शहरी प्रबंधन, हरित प्रौद्योगिकी, डेटा-ड्रिवन सर्विस मॉडल और स्टार्टअप सहयोग से संबंधित अवधारणाओं का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान मध्यप्रदेश के स्मार्ट सिटी मॉडल के लिए संभावित तकनीकी साझेदारियों की भी जानकारी लेंगे। इसके बाद होटल इंटरकॉन्टिनेंटल में पुनः कुछ महत्वपूर्ण वन-टू-वन बैठकों का दौर चलेगा, जिसमें निवेश प्रोत्साहन विभाग के साथ मिलकर प्रदेश के प्रतिनिधि संभावित सहयोग की दिशा तय करेंगे। दिन का समापन 'प्रवासी एवं फ्रेंड्स ऑफ मध्यप्रदेश' समारोह के साथ होगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव यूरोप में बसे प्रवासी भारतीयों, व्यवसायियों और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद करेंगे।

### बिजनेस फोरम का हुआ आयोजन

इसके बाद इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश थीम पर केन्द्रित बार्सिलोना बिजनेस फोरम का आयोजन होगा, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्पेनिश उद्योग जगत, कॉरपोरेट समूहों और संस्थागत निवेशकों के समक्ष मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को प्रस्तुत किया। इस फोरम में प्रदेश की औद्योगिक नीतियाँ, प्राथमिक सेक्टर, अधोसंरचना परियोजनाएँ और ग्लोबल पार्टनरशिप मॉडल पर विशेष फोकस रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह संवाद प्रदेश में निवेश की मंशा को ठोस प्रस्तावों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। बिजनेस फोरम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न उद्योगपतियों, व्यापारिक प्रतिनिधियों और संभावित निवेशकों से वन-टू-वन बैठकों के माध्यम से सीधा संवाद करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य व्यक्तिगत निवेश प्रस्तावों पर ठोस चर्चा करना और नीति से लेकर ज़मीन तक की स्पष्टता देना है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन उद्यान में तुलसी का पौधा लगाया। उन्होंने गमले में तुलसी के बीज बोकर पर्यावरण-संरक्षण का संदेश भी दिया।

**शराब घोटाले मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई**

## पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य गिरफ्तार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ से एक बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। भिलाई वाले घर पर शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापा मारा था। ईडी ने ये कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कथित शराब घोटाले से जुड़े एक मामले में की है। घर में चल रही ईडी की कार्रवाई के बीच पूर्व सीएम भूपेश बघेल विधानसभा के लिए रवाना हो गए थे। जिसके बाद ईडी ने यह बड़ी कार्रवाई की है। वहीं कार्रवाई के दौरान नाराज समर्थकों ने बैरिकेडिंग को हटाने की मांग की। साथ ही समर्थकों ने बैरिकेडिंग को गिरा दिया था। ईडी के घर पहुंचने पर भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट साझा कर जानकारी देते हुए लिखा था कि ईडी आ गई है। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अदाणी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठना था। भिलाई निवास में साहेब ने ईडी भेज दी है। बीती 11 जुलाई को छत्तीसगढ़ सरकार ने आबकारी विभाग से जुड़े एक बहुचर्चित मामले में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की।

**नकदी मामले में महाभियोग की सिफारिश पर**

## जस्टिस वर्मा ने लगाई सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

**नई दिल्ली।** इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने तीन न्यायाधीशों की आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट और पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा है कि आंतरिक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट देने से पहले उन्हें जवाब देने का उचित अवसर नहीं दिया। दिल्ली में उनके सरकारी आवास से भारी मात्रा में जली हुई नकदी बरामद की गई थी। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक आंतरिक समिति का गठन किया था, जिसने मामले की जांच की थी। जांच में उनके खिलाफ मजबूत सबूत पाए गए थे और उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही की सिफारिश की गई थी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता स्वर्गीय दाऊलाल वैष्णव के निधन उपरांत माननीय मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

## बेंगलुरू के 40 व दिल्ली के 20 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम पहुंची

**नई दिल्ली।** आए दिन स्कूल, कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के 20 से ज्यादा स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। बेंगलुरू के 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद बेंगलुरू प्रशासन सतर्क हो गया है। पुलिस के अनुसार, दिल्ली के पश्चिम विहार में रिचमंड ग्लोबल स्कूल को बम की धमकी मिली है। बम की धमकी की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और दिल्ली पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम जांच पड़ताल कर रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग ने कहा कि जांच चल रही है।

## सरकार कच्चे तेल पर निर्भरता को कम करने ला रही है नया फ्यूल एफिशिएंसी नियम सीएएफई -3

**नई दिल्ली।** सरकार जल्द ही फ्यूल एफिशिएंसी से जुड़े नए नियम सीएएफई-3 (कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी) लागू करने जा रही है। इन नए नियमों का मकसद सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना नहीं है। बल्कि उन फ्लेक्स फ्यूल कारों को भी प्रोत्साहित करना है जो इथेनॉल मिलाकर चलती हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल पर निर्भरता को कम करना, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को घटाना और घरेलू स्तर पर बनने वाले इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में इसकी जानकारी दी। सीएएफई यानी कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी नियमों के तहत, कार कंपनियों के पूरे साल में बेचे गए यात्री वाहनों का एवरेज कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन तय सीमा में रहना जरूरी होता है। ये नियम कंपनियों को ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट गाड़ियां बनाने के लिए मजबूर करते हैं। फिलहाल सीएएफई 2 नियम लागू हैं, जो मार्च 2027 तक मान्य रहेंगे। इसके बाद अप्रैल 2027 से नए सीएएफई 3 नियम लागू होंगे।

**सीएएफई 2 नियम और इनका महत्व-** मौजूदा सीएएफई 2 नियमों के तहत, 3,500 किलोग्राम से कम वजन वाले सभी यात्री वाहनों, चाहे वो पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, हाइब्रिड या इलेक्ट्रिक हों, का एवरेज सीओ2 उत्सर्जन 113 ग्राम प्रति किलोमीटर से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यह औसत किसी एक मॉडल पर नहीं बल्कि कंपनी की पूरी गाड़ियों की बिक्री पर लागू होता है।

### इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स फ्यूल दोनों को बराबरी मिलेगी

अब तक लागू सीएएफई नियम इलेक्ट्रिक वाहनों के पक्ष में झुके हुए थे। लेकिन गडकरी ने साफ किया कि नए सीएएफई 3 नियम इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स फ्यूल इंजन दोनों को समान रूप से बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा, पुराने नियम इलेक्ट्रिक वाहन को केंद्र में रखते थे, लेकिन नए नियम संतुलन बनाएंगे। बता दें कि फ्लेक्स फ्यूल का मतलब होता है - पेट्रोल और इथेनॉल के मिश्रण से बना ईंधन। भारत में फिलहाल ई 20 ईंधन (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण) उपलब्ध है।

# योग में, मुद्राओं और बंधों का महत्व आसन और प्राणायाम से भी अधिक है

## शोध से पता चला है कि मुद्राएं और बंध रोग निवारण में सहायक होते हैं

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि शरीर में, कई संवेदनाएँ तंत्रिका तंत्र में उत्पन्न होती हैं और मानसिक स्तर पर कई परिवर्तन होते हैं। प्राणिक क्षेत्र में, शरीर में ऊर्जा का उत्पादन भी उतार-चढ़ाव वाला होता है। इन्हीं कारणों से, आंतरिक मानसिक अवस्था और प्राणिक अवस्था दोनों में क्रियाशीलता और क्षय दोनों का अनुभव होता है। स्थूल दृष्टि से, मुद्रा एक ऐसा शब्द है जिसका अर्थ है एक भाव भंगिमा या चेतना की एक विशेष मनोदशा या अनुभूति। योग शास्त्रों में वर्णित मुद्राएँ चेतना, चित्त और ऊर्जा, प्राण की विशेष मनोदशाओं या अनुभूतियों की अभिव्यक्तियाँ हैं।

मुद्राओं और उनकी तकनीकों का ज्ञान बहुत कम साधकों को ही है। मुद्राओं और बंधों का ज्ञान सर्वप्रथम भगवान शिव ने माता पार्वती को प्रदान किया था। यह कथन कि यह ज्ञान देवताओं को भी सहज रूप से उपलब्ध नहीं है, मुद्राओं के महत्व को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इन साधनाओं को बिना किसी उद्देश्य के नहीं करना चाहिए। केवल योग्य और सुयोग्य साधकों और शिष्यों को ही इनमें निपुणता प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि भारतीय नृत्य में, किसी विशेष मनोदशा या भावना को दर्शाने के लिए विभिन्न मुद्राओं या हाव-भावों का प्रयोग किया जाता है। क्रोध को आँखों, हाथों की स्थिति और शारीरिक मुद्रा के माध्यम से दर्शाया जाता है। यह तो बस एक उदाहरण है। यह भी देखा गया है कि यदि किसी विशेष मुद्रा का लंबे समय तक अभ्यास किया जाए, तो उस मुद्रा से उत्पन्न एक भावना का अनुभव होता है। उस मुद्रा द्वारा दर्शाई गई उसी प्रकार की अनुभूति शरीर और मन में उत्पन्न होती है। दैनिक जीवन में भी ऐसा होता है, जैसे क्रोधित व्यक्ति अपनी भौहें ऊपर उठाता है, हाथों को तानता है और मुट्ठियाँ भींच लेता है। यदि कोई क्रोधित न भी हो, तो भी इन शारीरिक क्रियाओं को अपनाने पर यह भावना धीरे-धीरे प्रकट होगी। जो भी शारीरिक अवस्था अपनाई जाती है, वह तंत्रिका तंत्र में एक विशेष प्रकार की अनुभूति उत्पन्न करती है और मस्तिष्क तरंगों में परिवर्तन लाती है। मस्तिष्क तरंगों में यह परिवर्तन चेतना की स्थिति को प्रभावित करता है और कुछ समय के लिए उस विशेष अनुभूति का अनुभव मानसिक धरातल पर होता है। योग ग्रंथों में वर्णित मुद्राएँ और बंध तंत्रिका तंत्र की संवेदनाओं और उत्तेजनाओं को शांत करने और नियंत्रित करने में सहायक होते हैं।

योग में ज्ञात मुद्राएँ अक्सर संतों, ऋषियों या देवी-देवताओं के चित्रों या मूर्तियों में दर्शाई जाती हैं, उदाहरण के लिए, ज्ञान मुद्रा, चिन मुद्रा, शंख मुद्रा और अभय मुद्रा। कुंडलिनी योग और क्रिया योग में अश्विनी मुद्रा, वज्रोली मुद्रा और तड़गी मुद्रा जैसी मुद्राओं का अभ्यास किया जाता है। ये मुद्राएँ प्राणमय कोष को प्रभावित करती हैं और प्राण के प्रवाह को बदलने के लिए उपयोग की जाती हैं। इनका प्रभाव मस्तिष्क पर भी पड़ता है और ये चित्त के भीतर एक विशेष भावना को जागृत करने में मदद करते हैं जिससे व्यक्ति अंतर्मुखी और आत्मसात बनता है। ये अभ्यास एकाग्रता प्राप्त करने में भी सहायक होते हैं।

योग गुरु अग्रवाल नें बंध के बारे में बताया कि बंध वास्तव में शारीरिक और मानसिक बंधन हैं जो शरीर और मस्तिष्क के अंदर तंत्रिकाओं में उत्पन्न हो रही संवेदनाओं को बाधित करते हैं और अन्य विशिष्ट प्रकार की संवेदनाओं को जागृत करते हैं। आंतरिक अंगों में संकुचन या विस्तार की कोई भी प्रक्रिया, चाहे वह गर्दन, कंठ, मूलाधार या गुदा क्षेत्र में हो, आंतरिक अंगों में प्रतिक्रियाओं, भावनाओं और ऊर्जा की मात्रा को बदल देती है। यह शरीर को उत्तेजित या शांतिपूर्ण अवस्था में लाता है, जिसके परिणामस्वरूप आंतरिक स्थिरता का अनुभव होता है। दुनिया के कई दर्शन, धर्म और विचार प्रणालियाँ मानती हैं कि किसी प्रकार की आध्यात्मिक या आंतरिक अनुभूति का अनुभव करने के लिए बाहरी दुनिया से पूरी तरह से अलग होना आवश्यक है। मुद्राओं और बंधों का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी आंतरिक अवस्था प्राप्त करने में सहायता करना है जिसमें बाहरी भावनाएँ और घटनाएँ मानसिक अवस्था को खंडित न करें। प्रार्थना या ध्यान में मन को एकाग्र रखना चाहिए और किसी भी नकारात्मक भावना या प्रतिक्रिया को आंतरिक रूप से प्रकट नहीं होने देना चाहिए। वेदांत में कहा गया है कि सब कुछ क्षणभंगुर है; यह सब माया, भ्रम और भ्रांति है - इसे त्याग दो और सत्य में स्थित रहो। लेकिन योग और तंत्र में कहा गया है कि व्यक्ति जिस भी अवस्था में हो, उसे उच्चतर अवस्थाओं की सीढ़ी के रूप में उपयोग करना चाहिए।

योग का मानना है कि यदि व्यक्ति एकाग्रता और किसी प्रकार के आध्यात्मिक अनुभव को प्राप्त करना चाहता है, तो वह अनुभव इंद्रियों के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। इंद्रियों को इतना विस्तृत और सक्रिय किया जा सकता है कि मन स्वतः ही एकाग्र हो जाए। यहाँ मुद्राएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं; उदाहरण के लिए, खेचरी मुद्रा इंद्रियों से संबंधित है।

ऋषि घेरंड मुद्राओं और बंधों के अभ्यास की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। एक विशेष तकनीक अपनाकर व्यक्ति अपने भीतर प्रकट होने वाली संवेदनाओं को सक्रिय, विस्तृत और उनमें लीन कर सकता है। शारीरिक और मानसिक हाव-भावों का प्रयोग अन्नमय कोष, प्राणमय कोष और मनोमय कोष की संवेदनाओं को सक्रिय करके उनके भीतर जाने का प्रयास करता है। इस दूसरी प्रक्रिया में मुद्राएँ और बंध बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महा मुद्रा, नभो मुद्रा, महा भेद मुद्रा, खेचरी मुद्रा, विपरीत करणी मुद्रा, योनि मुद्रा, वज्रोली मुद्रा, शक्ति चालिनी मुद्रा, ताड़गी मुद्रा, मांडुकी मुद्रा, शांभवी मुद्रा, पांच धारणाएं या एकाग्रता, अश्विनी, पशिनी, काकी, मातंगिनी, उड्डियान बंध, जालंधर बंध, मूल बंध, महा बंध और भुजंगिनी पच्चीस मुद्राएँ हैं। ये योगियों को सिद्धि, निपुणता की पूर्णता प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। इन विषयों में सोलह मुद्राएं, चार बंध और पांच एकाग्रता अभ्यास (पार्थिवी धारणा, अंबासी धारा अग्नियी धारणा, वायविये धारणा और आकाशी धारणा) का वर्णन किया गया है। आध्यात्मिक क्षेत्र में यह माना जाता है कि मुद्राओं में पूर्णता या निपुणता आठ प्रमुख सिद्धियाँ प्रदान करती है। प्राणों को सक्रिय करने और कुंडलिनी को जागृत करने के लिए भी मुद्राओं का अभ्यास किया जाता है। इसके अतिरिक्त, शोध से पता चला है कि मुद्राएं और बंध रोग निवारण में सहायक होते हैं।

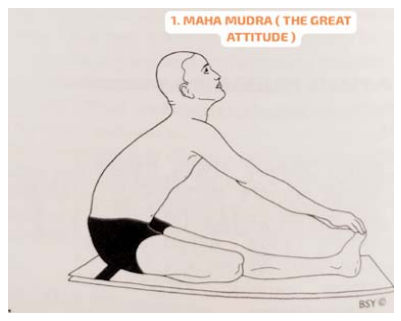

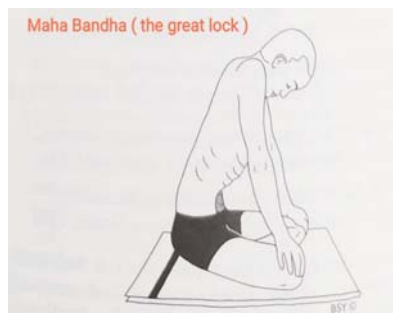

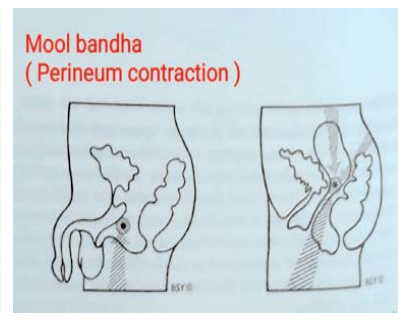

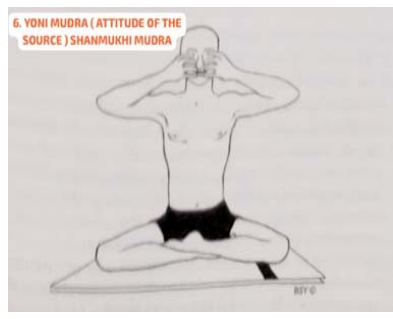

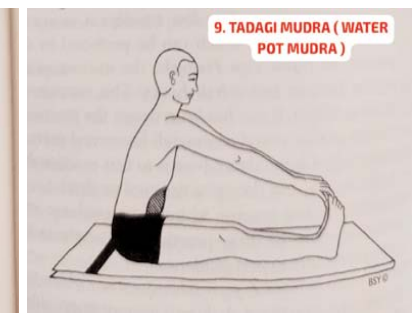

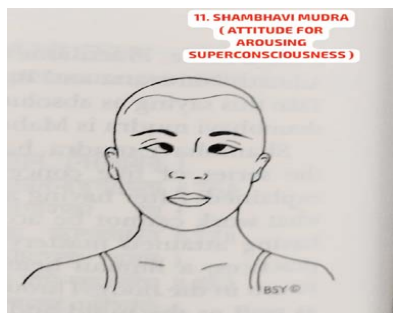

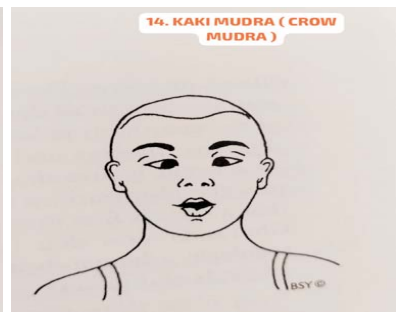

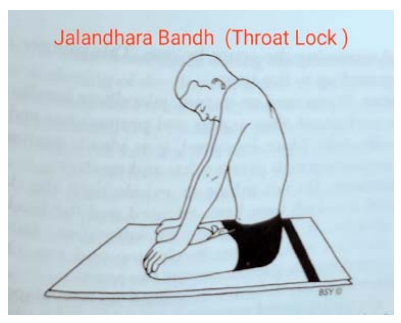

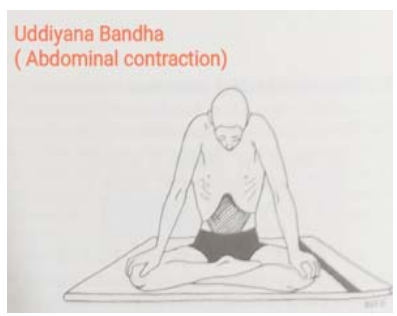

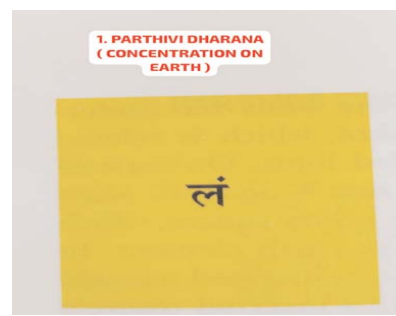

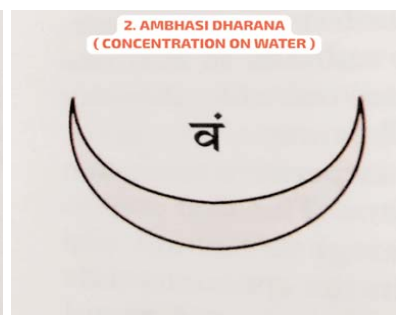

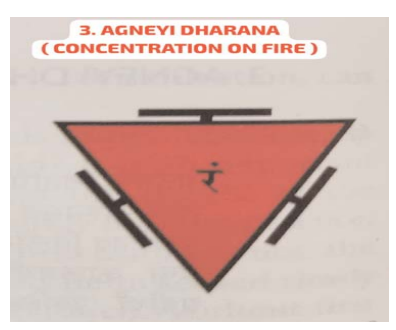

## बारिश के मौसम में खूब खिलता है यह फूल, गमले में लगाना भी है बहुत आसान

बारिश में खिलने वाला रेन लिली सिर्फ़ खूबसूरत ही नहीं बल्कि गमले में भी इसे उगाना बेहद आसान होता है। इसकी देखभाल भी आसान होती है और यह कम समय में घर की शोभा बढ़ा देता है। आइए जानते हैं कि रेन लिली को उगाने का सही तरीक़ा क्या है। बरसात के मौसम में बारिश की बूँदे न केवल धरती की प्यास पहुँचाती है बल्कि गार्डनिंग के शौकीनों के लिए भी ढेरों खुशियाँ लेकर आती है। ऐसा ही एक तोहफ़ा है की रेन लिली। इस पौधे को बारिश बेहद पसंद है, बारिश का मौसम आते ही बगीचों और गमलों में इसके फूल खिल उठते हैं। सफ़ेद, गुलाबी और पीले रंगों में आने वाला यह फूल दिखने में सुंदर ही नहीं बल्कि इसे उगाना और देखभाल करना भी बेहद आसान है। रेन लिली प्लांट को आप घर की बालकनी, खिड़की के पास या आंगन में गमले में भी आसानी से उगा सकते हैं। बारिश के दिनों में यह बिरंगे फूलों से हर किसी का ध्यान खींचता है। इसकी सुंदरता के साथ साथ इसकी लंबी उम्र और देखभाल की न्यूनतम ज़रूरत ऐसे शौकीनों के बीच और भी लोकप्रिय बनाती है।

### कैसे लगाएं रेन लिली

**मिट्टी की तैयारी:** रेन लिली के लिए दो भाग गार्डन सॉयल, एक भाग रेत और एक भाग कंपोस्ट मिलाकर मिट्टी तैयार करें। यह मिश्रण पानी का सही ड्रेनेज सुनिश्चित करता है।

**बल्ब लगाना:** बल्ब को 2-3 इंच गहराई तक गमले में दबाएं। बल्ब का नुकीला सिरा ऊपर की ओर रखें।

**धूप और पानी:** बल्ब लगाने के बाद गमले को ऐसी जगह रखें जहां सुबह की हल्की धूप आती हो। हल्का पानी डालें लेकिन पानी जमा न होने दें।

### बारिश में कैसे करें देखभाल

**अत्यधिक पानी से बचाएं:** बारिश के दौरान अधिक पानी होने से बल्ब सड़ सकते हैं। अगर गमला खुला हो, तो उसमें छेद ज़रूर रखें ताकि पानी निकल सके।

**धूप का ध्यान रखें:** रेन लिली को हल्की धूप पसंद है। अधिक तेज धूप से पत्तियां झुलस सकती हैं।

**खाद का उपयोग:** महीने में एक बार वर्मी कम्पोस्ट या लिक्विड खाद देने से फूल ज्यादा और लंबे समय तक खिलते हैं।

### कम मेहनत में ज्यादा नतीजा

रेन लिली को उगाने और पालने के लिए अधिक अनुभव की ज़रूरत नहीं होती। यह पौधा स्वाभाविक रूप से मौसम के अनुकूल खुद को ढाल लेता है। न धूप की ज्यादा ज़रूरत, न ही बार-बार खाद और पानी यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है।

### जलवायु और स्थान के अनुसार अनुकूलता

रेन लिली को भारत की जलवायु काफी अनुकूल लगती है, खासकर मध्य भारत, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, और बंगाल जैसे राज्यों में यह फूल बरसात के दिनों में खुद-ब-खुद निकल आता है। यदि आपने एक बार बल्ब लगा दिया, तो साल दर साल यह बिना विशेष देखभाल के खिलता रहेगा।

### औषधीय गुण और कीटरोधी क्षमता

रेन लिली न केवल देखने में सुंदर है, बल्कि इसके कुछ औषधीय गुण भी पाए गए हैं। खास बात यह है कि इसमें किसी भी तरह के कीट या फंगस का हमला बहुत कम होता है। यह स्वाभाविक रूप से कीट प्रतिरोधी होता है, जिससे यह और भी कम देखभाल की मांग करता है।

भोपाल। नरेला क्षेत्र में बारिश से सड़कों के हालात बेहद खराब हो गए है।

## संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में नवागत छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

**संत हिरदाराम नगर।** संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए चार दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कॉलेज जीवन केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है, यह आपके व्यक्तित्व के निर्माण और आत्मविश्वास की नींव रखने का समय है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, एन.एस.एस., एन.सी.सी. महिला सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास जैसे अनेक प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से छात्राएँ अपने कौशल को निखार सकती हैं। इस अवसर पर कॉलेज की फैकल्टी सदस्यों ने भी छात्राओं से संवाद किया और उन्हें अपने विषयों एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में प्रसिद्ध करियर गाइड और शिक्षा विशेषज्ञ श्वेता केसवानी, निर्देशक, ड्रीमज़ ग्लोबल एजुकेशनल सर्विसेज ने हायर एजुकेशन एंड करियर काउंसलिंग विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

## श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में तीज, चौथ पंचमी श्रद्धा भाव से मनाई

**भोपाल।** प्रणामी आलम के इष्ट बुद्ध निष्कलंक कल्कि अवतार महामति प्राणनाथ जी के अवसान दिवस पर श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में अखंड पाठ रखा गया जिसका सुंदर साथजी ने पूर्ण समर्पण भाव के साथ अनवरत तीन दिन वाचन किया और प्रणामी समाज के स्थापना दिवस पंचमी के दिन अखंड पाठ की पूर्णाहुति हुई। मंदिर महंत पंडित रूपराज शर्मा के नेतृत्व में सामूहिक आरती और मंदिर के शिखर कलशों में पताका फहराई गई। इस अवसर पर मंदिर प्रबंधन द्वारा समाज के सेवाभावी सदस्यों का सम्मान किया गया। तत्पश्चात मंदिर में मेले (भंडारा) का आयोजन सभी के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य कृष्णा परनामी, सूरज परनामी, नरेंद्र मोहन शर्मा, रविकांत शर्मा, अतुल दुबे, सत्यभूषण शर्मा,रजनीश त्रिपाठी, यशवंत शर्मा, नवीन शर्मा, डॉ विनीत शर्मा, मनीष त्रिपाठी,राजकुमार दुबे, उपदेश शर्मा, नबीराज शर्मा,श्रीकांत शर्मा, पन्ना लाल द्विवेदी, केशव श्रेष्ठ, बसंत शर्मा, अन्नपूर्णा तिवारी, संदेश शर्मा,आनंद भट्ट, डॉ लालिमा शर्मा, बिंदुवाला शर्मा, डॉ कामिनी तिवारी, नंदनी गुप्ता, डॉ जिग्नेश शर्मा,अमित परनामी, श्रीकृष्ण शर्मा, रामयश पांडे सहित सैकड़ों की संख्या में सुंदर साथजी उपस्थित थे। मंदिर में पधारे सभी श्रद्धालुओं का सचिव पंडित मम्तेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

## सावन में शिवलिंग पर लौंग क्यों चढ़ाते हैं? वजह जानकर आप भी रह जाएंगे हैरान!

सावन का महीना शिवभक्ति, व्रत, उपवास और अभिषेक का विशेष समय होता है. इस पावन माह में श्रद्धालु तरह-तरह की वस्तुएं शिवलिंग पर अर्पित करते हैं, जैसे दूध, जल, बेलपत्र, धतूरा आदि. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ लोग शिवलिंग पर लौंग भी चढ़ाते हैं? लौंग, जो आमतौर पर रसोई का एक मसाला है, उसे भगवान शिव को क्यों अर्पित किया जाता है? इसके पीछे छिपे हैं आध्यात्मिक, आयुर्वेदिक और ज्योतिषीय रहस्य, जो आपको चौंका सकते हैं.

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे शुभ और प्रभावशाली समय माना जाता है. इस महीने में शिवभक्त विशेष रूप से जल, बेलपत्र, दूध, भस्म, भांग और लौंग चढ़ाकर भोलेनाथ को प्रसन्न करते हैं. इनमें से ÷लौंग चढ़ाने की परंपरा बहुत ही गूढ़ और चमत्कारी मानी जाती है.

**लौंग सिर्फ मसाला नहीं, बल्कि ऊर्जावान तंत्र शक्तिवान तत्व:** लौंग में मौजूद होती है तीव्र अग्नि तत्व की ऊर्जा जो नकारात्मकता को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है. तंत्र शास्त्र के अनुसार, लौंग को अग्नि, वायु और आकाश तत्वों का प्रतीक माना गया है और जब इसे शिवलिंग पर अर्पित किया जाता है, तो यह व्यक्ति के जीवन की ग्रह बाधाओं, नजर दोष और मानसिक परेशानियों को दूर करती है.

1. लौंग शिवजी के तामस तत्व को शांत करती है- भगवान शिव रुद्र रूप में तामसिक प्रकृति के देव माने जाते हैं. लौंग का तीखा और उष्ण प्रभाव उनके उस रूप को शांत करने में सहायक माना जाता है. इसी कारण सावन में लौंग चढ़ाकर शिव को शांत, प्रसन्न और कृपालु किया जाता है.

2. आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने का उपाय- ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, शिवलिंग पर लौंग और कपूर चढ़ाने से शनि, राहु और केतु जैसे पाप ग्रहों की दशा शांत होती है. यह उपाय उन लोगों के लिए बेहद प्रभावी होता है जिन्हें धन की तंगी, व्यापार में घाटा या करियर में रुकावटें आ रही हों.

3. बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा का नाश- लौंग को नजर दोष से रक्षा करने वाला प्राकृतिक तावीज़ माना गया है. यदि किसी को बार-बार बुरी नजर लगती हो, मानसिक बेचैनी या भय हो, तो सावन में सोमवार के दिन शिवलिंग पर लौंग चढ़ाना बेहद शुभ माना जाता है.

4. मनोकामना पूर्ति का अचूक उपाय- कई श्रद्धालु दो लौंग और एक कपूर शिवलिंग पर चढ़ाकर उसकी भस्म को तिलक में प्रयोग करते हैं. यह उपाय कहा जाता है कि मनोकामनाएं पूरी करने और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने में अत्यंत प्रभावशाली होता है.

5. लौंग की धूप ङ्क वातावरण को बनाती है पवित्र सावन में कई लोग लौंग को जलाकर शिवलिंग के पास धूप देते हैं. इसका कारण यह है कि ÷लौंग की सुगंध नकारात्मक शक्तियों को दूर करती है और स्थान को दिव्य ऊर्जा से भर देती है.

### ऐसे चढ़ाएं लौंग शिवलिंग पर

सोमवार को प्रातः स्नान कर शिव मंदिर जाएं, शुद्ध जल से शिवलिंग का अभिषेक करें, दो लौंग और एक कपूर लेकर शिवलिंग पर अर्पित करें, इसके बाद   नमः शिवाय÷ मंत्र का 108 बार जप करें, अंत में प्रणाम कर, प्रसाद ग्रहण करें.

# मध्यप्रदेश बनेगा वैश्विक वस्त्र विनिर्माण का नया केंद्रः मुख्यमंत्री

## इंडिटेक्स ने मध्यप्रदेश के ईएसजी मॉडल और टेक्सटाइल इकोसिस्टम को सराहा

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दूसरे दिन का फोकस वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश संवाद का रहा। स्पेन के गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब के रूप में प्रस्तुत किया। बैठक में इंडीटेक्स समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापारिक साझेदारी और सतत निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार टेक्सटाइल क्षेत्र में वैश्विक साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इंडिटेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड की उपस्थिति से राज्य में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और हरित उत्पादन को गति मिलेगी। हम इस साझेदारी को सभी स्तरों पर समर्थन देने को तत्पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार (ईएसजी) मूल्यों को बढ़ावा देती है। वॉटर रिसायक्लिंग, वेस्ट मैनेजमेंट और डीसेंट वर्क स्टैंडर्ड्स राज्य में लागू हैं। इंडिटेक्स की जिम्मेदार सोर्सिंग नीति के साथ मध्यप्रदेश की दृष्टि पूरी तरह से मेल खाती है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विकसित किये जा रहे ईएसजी (पर्यावरण सामाजिक और सुशासन) मॉड्यूल को वैश्विक स्तर पर सकरात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इंडिटेक्स के श्री जोसे एम रोमाये और मार्था फ्रांकोस रे ने राज्य के ईएसजी मॉडल की सराहना करते हुए इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि मध्यप्रदेश का यह मॉडल स्थिर विकास, समावेशिता और सुशासन के लिये एक रोल मॉडल बन सकता है। उन्होंने प्रदेश में ईएसजी लक्ष्यों को नीति निर्माण में हो रहे प्रयासों और टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश के लिये उपलब्ध इकोसिस्टम की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश के शीर्ष कच्चा कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, जहाँ सालाना लगभग 18 लाख बेल्स (3 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होता है। राज्य में 15 से अधिक टेक्सटाइल क्लस्टर हैं इसमें इंदौर, मंदसौर, बुरहानपुर, उज्जैन, नीमच जैसे केंद्र टेक्सटाइल उत्पादन में अग्रणी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार जिले में भारत सरकार की पीएम मित्रा योजना के अंतर्गत विकसित हो रहा टेक्सटाइल मेगा पार्क इंडिटेक्स जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए सस्टेनेबल और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग का आदर्श केंद्र बन सकता है।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस पार्क में गारमेंटिंग यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत का अग्रणी ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादक है। राज्य में यहां विशेषकर निमाड़ और मालवा क्षेत्रों में बहुतायत में कॉटन का उत्पादन होता है। यहाँ त्वह्ररुस्-सर्टिफाइड किसान समूह सक्रिय हैं, जो इंडिटेक्स की सस्टेनेबिलिटी और ट्रेसिबिलिटी नीतियों के लिए आदर्श साझेदार हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फार्मर-टू-फैब्रिक वैल्यू चेन पर इंडिटेक्स के साथ मिलकर काम करने का सुझाव दिया। कॉटन टू कार्बन फाइवर में भी मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य से टेक्सटाइल और गारमेंट का वार्षिक निर्यात 7 हजार करोड़ रूपये से अधिक है, जिसमें यूरोपीय संघ प्रमुख है। उन्होंने बताया कि इंडिटेक्स जैसे ब्रांड की साझेदारी से यह आंकड़ा 10 हजार करोड़ रूपये तक पहुँच सकता है, जिससे स्थानीय रोजगार और महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की नवीन औद्योगिक एवं निर्यात नीति ङ्क 2025 की विशेषताओं को साझा किया, जिसमें भूमि पर 90त्न सब्सिडी, मशीनरी पर 40त्न पूंजी सहायता, ग्रीन टेक्नोलॉजी पर 50त्न सहायता और ऋण पर ब्याज सब्सिडी आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडिटेक्स को आमंत्रण दिया कि वह पीएम मित्रा पार्क में सप्लाई चेन एंकर के रूप में भागीदारी बने। उन्होंने एक ऑर्गेनिक कॉटन ट्रेसिंग प्लेटफॉर्म और ई एस जी सर्टिफाइड एमएसएमई के साथ वेंडर डेवेलपमेंट प्रोग्राम प्रारंभ करने का सुझाव भी दिया।

उल्लेखनीय है किस्पेन की दुनिया की बड़ी फैशन रिटेल कंपनियों में से एक है। इसके अंतर्गत ज़ारा, मैसिमो दुत्ती, बेरशका, बुल एंड बीयर जैसे प्रसिद्ध ब्रांड्स हैं। कंपनी का मुख्यालय गैलिसिया के आर्तेइशो में है। यह अपने फास्ट फैशन मॉडल, ट्रेसिबल सप्लाई चेन और टिकाऊ प्रथाओं के लिए प्रसिद्ध है। भारत में इंडिटेक्स, टाटा समूह के साथ ज़ारा और मैसिमो दुत्ती ब्रांड्स के माध्यम से कार्यरत है।

# क्या प्रदेश में फ्लॉप हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई, तीन साल में एक भी छात्र ने नहीं दी परीक्षा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश ने देशभर में पहली बार हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने का साहसिक कदम उठाया था, जिसे तीन साल पहले 2022 में शुरू किया गया। इस कदम का उद्देश्य उन छात्रों को फायदा पहुंचाना था, जो हिंदी माध्यम से अपनी शिक्षा पूरी करते हैं और मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश करने का सपना देखते हैं। इसके तहत, सरकार ने 10 करोड़ रुपए खर्च करके मेडिकल की किताबों का हिंदी में अनुवाद किया और उनका विमोचन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा



किया गया।

यह दावा किया गया था कि इससे छात्रों के लिए चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश आसान हो जाएगा। लेकिन, तीन साल बाद यह पहल अब तक अपेक्षानुसार सफल नहीं हो पाई है। एक ओर जहां छात्रों को हिंदी में परीक्षा देने के लिए छूट और इनाम की घोषणा की गई थी, वहीं कोई भी छात्र ने अपनी परीक्षा हिंदी में नहीं दी।

दरअसल, मेडिकल के छात्रों के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गई है। वे जानते हैं कि भविष्य में अगर उन्हें पोस्टग्रेजुएट (पीजी), रिसर्च, या विदेश में अध्ययन करना है, तो उन्हें अंग्रेजी भाषा में अच्छा पकड़ बनानी पड़ेगी। यही कारण है कि, जब भी इन छात्रों को परीक्षा देने का अवसर मिलता है, वे अंग्रेजी में ही जवाब देते हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल के डीन के अनुसार, भले ही पाठ्यक्रम हिंदी में बदल दिया गया हो, लेकिन पढ़ाने की पद्धति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। शिक्षक अभी भी छात्रों से अंग्रेजी में संवाद करते हैं और अधिकतर अध्ययन सामग्री अंग्रेजी में ही दी जाती है। परिणामस्वरूप, छात्रों को बिना किसी परेशानी के अंग्रेजी का उपयोग करना पड़ता है।

### हिंदी से अंग्रेजी तक का सफर

एक मेडिकल कॉलेज के छात्र ने बताया कि उसने 12वीं और ह्रश्वक्च परीक्षा हिंदी में दी थी और मेडिकल प्रवेश भी हिंदी में ही लिया था। हालांकि, शुरू में उसे हिंदी में पढ़ाई करने का डर था, लेकिन जब उसने देखा कि शिक्षक हिंदी में संवाद करते हैं और किताबें भी हिंदी में हैं, तो उसका डर कम हुआ। इसके बावजूद, छात्र ने अंततः अंग्रेजी किताबों को पढ़ना शुरू कर दिया और अपनी परीक्षा भी अंग्रेजी में दी। तीन साल की पढ़ाई में उसने कभी भी हिंदी में परीक्षा नहीं दी।

### भविष्य की चुनौतियां और समाधान

मेडिकल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कोई छात्र भविष्य में विदेश में पढ़ाई करना चाहता है या पीजी करना चाहता है, तो उसे अंग्रेजी में अच्छी पकड़ बनानी पड़ेगी। हालांकि, हिंदी माध्यम से पढ़ाई करने का एक बड़ा लाभ यह हो सकता है कि छात्रों को अपनी भाषा में अच्छे से समझने का मौका मिलता है, लेकिन यह तब तक प्रभावी नहीं हो सकता जब तक कि शिक्षा पद्धति में कोई गंभीर बदलाव न किया जाए। सारांश रूप में कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश सरकार की हिंदी में एमबीबीएस पढ़ाई शुरू करने की योजना अब तक सफलता की ओर नहीं बढ़ पाई है। इसे न केवल छात्रों के दृष्टिकोण से, बल्कि शिक्षा पद्धति में सुधार के लिए एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

# आध्यात्म, धर्म और संस्कृति के साथ विकास वरदान बनता है : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

### रामायण के माध्यम से भारतीय संस्कृति का होता है प्रगटीकरणः संस्कृति मंत्री लोधी

### श्रीराम का चरित्र अनुकरणीयः जगतगुरू श्री रामभद्राचार्य

### अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में रामायण शोधपीठ होगा स्थापित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में रामायण शोधपीठ की स्थापना की जाएगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, संस्कृति राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी और जगतगुरू रामभद्राचार्य ने शिलापट्टिका का अनावरण किया। विश्वविद्यालय के शंभूनाथ शुक्ल सभागार में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए जगतगुरू ने कहा कि राम चारित्र वत्सल हैं। उनका आदर्श अनुकरणीय है। जितना विपुल साहित्य भगवान राम का है उतना और किसी का नहीं है। रामायण शोध पीठ की स्थापना रीवा विश्वविद्यालय के लिए शुभ हो और यह रामायण के शोधार्थियों के लिए वरदान बने। इसकी स्थापना रीवा के पूर्व महाराज रामायण अनुरागी श्री रघुराज सिंह को श्रद्धांजलि भी होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आचार्यों को ऐसी मर्यादा प्रस्तुत करनी चाहिए जिससे शिष्य उनका अनुकरण करें। जगतगुरू ने रामचरित मानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि तुलसी जयंती के अवसर पर तुलसी शोध पीठ में रामायण शोध पीठ की स्थापना की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि देश की सबसे बड़ी ताकत आध्यात्म धर्म और संस्कृति है। इनके साथ से ही विकास वरदान बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस विन्ध्य भूमि में भगवान राम ने वनवास के 14 वर्ष बिताये वहाँ रामायण पीठ की स्थापना आवश्यक है।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय ने अनुकरणीय कार्य किया है। आज का दिन अविस्मरणीय रहेगा जब जगतगुरू के कर-कमलों से पीठ की स्थापना का उद्घाटन हुआ। रामायण पीठ के माध्यम से रामायण के गुणों को अंगीकार करने और शोधार्थियों को नवीनतम शोध में मदद मिलेगी। उन्होंने रामायण पीठ के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की तथा आश्वस्त किया कि अन्य आवश्यकताओं की भी पूर्ति की जाएगी। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि रामायण के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रगटीकरण होता है। चरित्रवान व मर्यादाशील होने का भगवान राम से सीख मिलती है। रामायण की शिक्षाएं आज के परिवेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हम सबको इन उपदेशों को अंगीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामायण से जीवन की दशा को सुधार कर चरित्रवान बनते हुए देशहित के लिए सीख मिलती है। सभी सुखी हों और सबका कल्याण हो यह रामराज्य की परिकल्पना है। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने रामायण पीठ की स्थापना के लिए साधुवाद देते हुए सांसद निधि से 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। कुलगुरू दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट शिशिर पाण्डेय ने कहा कि रामायण में लोकमंगल की भावना निहित है। समाज और राष्ट्र के उत्थान में जगतगुरू का महान योगदान है। कुलसचिव श्री सुरेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि देश के चौथे रामायण शोध पीठ की स्थापना अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में की जा रही है। नोडल अधिकारी नलिन दुबे ने शोध पीठ की स्थापना एवं उसके महत्व के विषय में जानकारी दी। कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद कुड़रिया, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय सहित आचार्यगण, गणमान्यजन, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# सांदीपनि और आईसीटी लैब वाले विद्यालयों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

**भोपाल।** प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है। इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये है। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों को शत प्रतिशत ई-अटेंडेन्स हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश जारी किये है। निर्देश में कहा गया है कि यह व्यवस्था 18 जुलाई से प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू होगी। जिन अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज नहीं होगी उनका मानदेय का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किये जाने के लिये जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है।

# रत-इथियोपिया कौशल सहयोग को मिलेगी नई दिशा

### राज्य मंत्री गौतम टेटवाल से इथियोपिया के दल ने की भेंट



**भोपाल।** भारत-इथियोपिया कौशल विकास सहयोग को नई दिशा देने की मंशा से इथियोपिया का 10 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल से औपचारिक मुलाकात की और मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग के लिए आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल ने परिसर का भ्रमण किया और यहां संचालित उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया।

प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा इथियोपिया में स्स्त्रन्नस्क की तर्ज पर एक आधुनिक, विश्वस्तरीय और रोजगारोन्मुख कौशल विकास संस्थान की स्थापना के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रतिनिधिमंडल में इथियोपिया के मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एंड स्किल्स, बायबोन कंसल्टेंट्स पीएलसी, टीएनटी कंस्ट्रक्शन एंड ट्रेडिंग तथा आर्किटेक्चर एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स पीएलसी जैसे संस्थानों से जुड़े अधिकारी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में आलेमायाहू वोयिमो कोमिबामो, गेतीनेट तिलाहुन गेडा, आमलाकू आलेबाच्यू अनले, तेस्फाये तिलाहुन येहुलावर्क, हबतामू देसालेग्न सिफिर, मेधाने गेब्रहीवोत गेब्रेसलासी, कस्साहुन मामो वोंडिमू, हाफतोम गेब्रेयेसुस काहासाय, अस्साये देस्ता तादेसे और किन्फे त्सिगे गेब्रेग्जियाबेर शामिल थे। राज्य मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि इथियोपिया के प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (स्स्त्रन्नस्क)की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और सशक्त करेगा। भारत और इथियोपिया के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में बहुआयामी सहयोग की संभावना है, जिसमें प्रशिक्षण आदान-प्रदान, शिक्षण सामग्री साझा करना, संयुक्त संस्थानों की स्थापना और उद्योगङ्कअकादमिक सहभागिता जैसे पहलू शामिल हैं। राज्य मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि भारत इथियोपिया के युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इथियोपिया में आधुनिक कौशल संस्थानों की स्थापना में तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर युवाओं को सशक्त बनाया जा सके। राज्य मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह साझेदारी भारत के लिए अपने कौशल विकास अनुभव को साझा करने का अवसर है, जबकि इथियोपिया जैसे देशों के लिए यह अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगार-सक्षम बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। आने वाले वर्षों में यह सहयोग और भी अधिक मजबूत होगा और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देगा।

# प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के 5 केंद्रीय पुस्तकालय संचालित

**भोपाल।** स्कूल शिक्षा विभाग नागरिकों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिये 5 केन्द्रीय पुस्तकालय और 36 जिलों में जिला पुस्तकालय संचालित कर रहा है। इन पुस्तकालयों में पाठकों के लिये अनेक उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा अनुदान के साथ स्वामी विवेकानंद लायब्रेरी (पूर्व में ब्रिटिश लायब्रेरी) भोपाल भी संचालित की जा रही है। शासकीय मौलाना आजाद केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल साहित्यिक पुस्तकों के भण्डार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये प्रसिद्ध पुस्तकालय है, जहाँ पाठकों को न्यूनतम शुल्क पर अधिकतम सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकें हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, अरबी, फारसी आदि भाषाओं में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही विभिन्न मासिक पत्रिका, समाचार-पत्र, इंटरनेट सुविधा, निःशुल्क सेमिनार आदि की सुविधा भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध है। पुस्तकालय में 3 रीडिंग हॉल में 600 पाठक बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। इस वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा पुस्तकालय में मरम्मत एवं विकास कार्य किये गये हैं। पुस्तकालय में अध्ययन सुविधा के लिये 32 केबिन मॉडल स्टडी रूम का भी विकास किया जा रहा है। पुराने भोपाल में इस पुस्तकालय को सेंट्रल लायब्रेरी के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय नागरिकों में पुस्तक एवं पुस्तकालय के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से निःशुल्क पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया है। पुस्तकालय में महिला स्व-सहायता समूह को दीदी केंटीन के संचालन का कार्य भी दिया गया है। अहिल्यादेवी केन्द्रीय पुस्तकालय इंदौर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय ग्वालियर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय जबलपुर और शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय रीवा का भी संचालन किया जा रहा है।

# देश में कम दर पर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा: राजपूत

### पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ऊर्जा वार्ता बैठक में शामिल हुए खाद्य मंत्री



**भोपाल।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि हमे देश में कम दर पर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित देशों में इन्टीग्रेटेड एप्रोच अपनाने से प्रोडक्टिविटी बढ़ती है और ऊर्जा की लागत तुलनात्मक रूप से कम आती है। ऐसे ही उपाय अपनाना चाहिए, ताकि कम दर पर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। राजपूत ने नई दिल्ली में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा आयोजित ऊर्जा वार्ता बैठक में यह बात कही। केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश के सभी राज्यों के उद्योग एवं खाद्य मंत्री शामिल हुए।

मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री राजपूत ने मध्यप्रदेश में जैव ऊर्जा योजना 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार ने 280 करोड़ रूपये के निवेश से 12 जैव ईंधन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में लगातार नये नये उद्योग लगाने के प्रयास कर रहे हैं। श्री राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश में शहरी गैस वितरण नीति-2025 लागू की गई है। इसमें आगामी 6 से 8 वर्षों के बीच 55 जिलों में घरों तक पाइप के माध्यम से प्राकृतिक गैस और सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से वाहनों में सीएनजी फिलिंग करने की योजना है।खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हरित हाईड्रोजन के एमओयू साइन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने 2028 तक एक हरित परियोजना चालू करने का लक्ष्य रखा है। राजपूत ने कहा कि हमने राज्य में 2025 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रणयुक्त ईंधन उपयोग करने का लक्ष्य रखा है। मंत्री श्री राजपूत ने मध्यप्रदेश के सागर जिले के बीना में स्थित बीना रिफाइनरी में 50 हजार करोड़ रूपये के निवेश की राशि मिलने के बाद भी इकाई के विस्तार कार्यों की धीमी प्रगति से केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी को अवगत कराया। उन्होंने कार्य में तेजी लाये जाने का अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री पुरी ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को मजबूत करने के लिये बीना रिफाइनरी के कार्यों में गति लाने की बात कही।

# नीति निर्माण में डेटा की भूमिका पर भोपाल में हुआ राउंडटेबल सम्मेलन विशेषज्ञों ने रखे विचार

**भोपाल।** अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में प्रभावी नीति निर्माण के लिए राज्य सांख्यिकीय और डेटा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करना विषय पर एक दिवसीय राउंडटेबल सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नीति निर्माण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के संयुक्त निदेशक श्री विश्वजीत रायकवार ने मध्यप्रदेश में डेटा संग्रह, विश्लेषण और प्रकाशन की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर बल दिया।

अध्यक्ष एसएससी श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि आंकड़े शासन का आधार होते हैं और इनकी गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने सांख्यिकीय आंकड़ों को सार्वजनिक उपयोग के लिए सुगम बनाने, सोशल मीडिया के माध्यम से इनकी व्याख्या को जनसामान्य तक पहुंचाने सहित उपयोगकर्ता और डेटा निर्माता के बीच संवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में एमपीएसईडीसी की मुख्य महाप्रबंधक सुश्री शिवांगी जोशी द्वारा विभागों के बीच डेटा साझा करने की प्रक्रिया, चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रस्तुति दी गई। मुख्य वक्ता के रूप में पब्लिक इंडिया फाउंडेशन के प्रतिष्ठित फैलो एवं पूर्व महानिदेशक (एमओएसपीआई) श्री आशीष कुमार ने आधिकारिक आंकड़ों की बदलती भूमिका और डिजिटल तकनीक के माध्यम से आंकड़ों के संग्रह, विश्लेषण और उपयोग की दिशा में हो रहे नवाचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपग्रह डेटा, मोबाइल ट्रांजेक्शन और बिजली खपत जैसे आधुनिक स्रोतों के माध्यम से आंकड़ा संग्रहण की संभावनाओं को भी रेखांकित किया। सम्मेलन में जीडीडीपी, संकेतक आधारित विश्लेषण, अनुसंधान में डेटा उपयोग, महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की निगरानी और राज्य स्तर पर डेटा मिशन जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने आईसीटी आधारित डेटा संग्रह प्रणाली को मजबूत करने, शोधकर्ताओं को अधिकृत डेटा तक पहुँच देने और डेटा गोपनीयता व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत संरचनाएं विकसित करने की आवश्यकता बताई।

संपादकीय

## 18 दिन के अपने सफल मिशन अंतरिक्ष से लौटा 'लाल'

वे कितने अद्भुत, अव्यक्त, बेहद भावुक और भयभीत पल थे, जब शुभांशु शुक्ला और उनके तीन सहयात्री अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर लौट रहे थे। बीच में कुछ मिनट का ऐसा फासला आता है, जब सब कुछ 'शून्य' होता है। कोई संचार और संवाद नहीं। बाहर का तापमान 1600-1700 डिग्री सेल्सियस। अंतरिक्ष और धरती के वायुमंडल के बीच की कशमकशज जीवन और मौत के बीच के वे क्षण ! उस सन्नाटे और आग के बड़े गोले को पार कर जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो उससे बड़ी जीत और बेपनाह खुशी का एहसास और क्या हो सकता है ! शुभांशु की मां ने भावुकता में ठीक ही कहा है कि उनका बेटा दूसरा जन्म लेकर लौटा है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिन का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। ऑक्सीजन का पर्यावरण होगा और जल के स्रोत मिल जाएंगे, तब पीढ़ियां उन अदम्य साहसी और सुदृढ़ मानसिक शक्ति वाले चेहरों को याद करेंगी, जिन्होंने अंतरिक्ष में आकर जीवनोपयोगी स्थितियों की बुनियाद रखी।अंतरिक्ष उड़ान के दौरान आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने का प्रयोग किया। दिमाग के रक्त-प्रवाह पर फोकस किया गया, जिससे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और उच्च स्तर की कार्बन डाइऑक्साइड के असर को जानने का प्रयास किया गया। अंतरिक्ष में मानव मांसपेशियों, हड्डियों पर अंतरिक्ष के प्रभावों की भी जांच की गई। यह अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नगण्य होता है, लिहाजा यात्री की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लौटने पर वह अपने पांव पर खड़ा होने और चलने में असमर्थ-सा रहता है। यह यात्रा 18 दिन की ही थी, लिहाजा यात्रियों पर इतने गहरे प्रभाव न पड़े हों, लेकिन फिर भी उनका पुनर्वास किया जा रहा है। उनकी पूरी तरह मेडिकल जांच होगी, इलाज किए जाएंगे, ताकि वे नए सिरे से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार ढल सकें। अंतरिक्ष टीम ने 'एक्सायर्ड इक्विबेलेंस टेस्ट' नामक एक मानसिक प्रयोग में भी भाग लिया, जो अंतरिक्ष में रहने की क्षमता को मापता है। यकीनन शुभांशु के जरिए यह भारत की 'अपवादीय उपलब्धि' है। अंतरिक्ष विज्ञान का जो भारतीय इतिहास लिखा जा रहा है, यह यात्रा उसका प्रथम अध्याय है, लिहाजा अभी बहुत दूर जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा है कि शुभांशु के इस मिशन ने एक अरब सपनों को प्रेरणा दी है।

# कॉंवड़-नमाज तुलना में छिपा, कांग्रेस के पतन का राज

**सरयूसुत मिश्रा**

दिग्विजय सिंह कांग्रेस के अकेले नेता हैं, जो दस वर्षों तक लगातार मुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं. ऐसा कोई दूसरा नेता कांग्रेस में अभी नहीं है. अशोक गहलोत भी टुकड़ों टुकड़ों में सीएम रहे हैं.. !!

भगवा आतंकवाद से लगाकर अब तक हिंदू मुस्लिम राजनीति में धार्मिक प्रतीकों,आयोजन, घटनाओं और व्यक्तित्व को लेकर पैदा हुई हर कंट्रोवर्सी में दिग्विजय सिंह का नाम जुड़ जाता है. ताजा विवाद फेसबुक पर उनकी एक पोस्ट से पैदा हुआ है. जिसमें सावन महीने में चल रही कॉंवड़ यात्रा का पुलिस द्वारा स्वागत करते हुए और सड़क पर नमाज के एक दृश्य में पुलिस द्वारा सख्ती दिखाते हुए चित्रों को 'एक देश, दो कानून' की टिप्पणी के साथ पोस्ट किया गया है.

मूल मूल रूप से यह पोस्ट कांग्रेस प्रायोजित वॉलिंटियर्स द्वारा संचालित 'विद कांग्रेस' द्वारा की गई है. कांग्रेस इसे अपना ऑफिशल हैंडल नहीं मानती. दिग्विजय सिंह ने वालंटियर समूह के इस पोस्ट को फेसबुक पर पोस्ट कर इसे कांग्रेस का ऑफिशल वर्जन बना दिया है. शायद इसीलिए बीजेपी की ओर से त्वरित प्रतिक्रिया दी गई. यह प्रतिक्रिया भी राजनितिक है.

बीजेपी दिग्विजय सिंह को हमेशा मुस्लिम परस्त और सनातन विरोधी साबित करने की कोशिश में लगी रहती है. यद्यपि निजी आचरण के स्तर पर दिग्विजय सिंह पक्के सनातनी है. लेकिन राजनीति में कंट्रोवर्सी उनकी आदत बन गई है. जब भी उनके बयानों पर विवाद खड़े हुए, तब वह अपने तर्कों पर अड़े रहे. लेकिन इससे उनकी राजनीतिक छवि को जरूर नुकसान पहुंचा है.

एक देश दो कानून का जो पोस्ट है. उसको हिंदू मुस्लिम के नजरिए से अगर देखा जाएगा तो सबसे पहला सवाल जो कांग्रेस पर खड़ा होता है, वह यही है कि, एक देश एक कानून का खून किसने किया है? इस देश में प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून अगर नहीं लागू हो सका तो इसके लिए कांग्रेस के अलावा दूसरा कौन जिम्मेदार हो सकता है? एक देश दो कानून तो कांग्रेस ने स्वयं बनाए हैं, जो अब तक चल रहे हैं.

बीजेपी का तो बेसिक एजेंडा यही है कि, एक देश, एक

विधान, एक संविधान, एक निशान होना चाहिए. जम्मू-कश्मीर में इसके लिए तो बीजेपी ने लंबा संघर्ष किया. वहां धारा 370 और 35 ए समाप्त कर एक देश एक कानून के अपने एजेंडे को बीजेपी ने पूरा किया. जब तक कांग्रेस के बस में रहा तब तक जम्मू कश्मीर में डॉ. अम्बेडकर का संविधान लागू नहीं था. वहां का ध्वज भी अलग था. कांग्रेस को अब एक देश दो कानून दिखाई पड़ रहा है, जब उनमें सत्ता की शक्ति नहीं बची है.

जब कानून बनाने की हैसियत समाप्त हो गई है तो फिर वोट बैंक की राजनीति के लिए इस तरह के पोस्ट किए जा रहे हैं. भले ही अनजाने में सही लेकिन कांग्रेस की ओर से एक देश दो कानून की बात इतिहास की सच्चाई सिर चढ़कर बोलने जैसी है. संविधान निर्माता एक देश एक कानून के समर्थन में थे. आजादी के बाद कांग्रेस ने संविधान में ऐसे-ऐसे बदलाव किये, जो एक देश दो कानून के आधार बने हैं.

एक देश एक कानून का बीजेपी का दूसरा सबसे बड़ा एजेंडा समान नागरिक संहिता का है. संविधान में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है. यहां तक की सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक बार इसके लिए सरकारों को निर्देश दिया लेकिन कांग्रेस सरकारों ने एक देश दो कानून की अपनी चुनावी स्ट्रेटजी के कारण इस पर कभी भी विचार नहीं किया.

अब जब बीजेपी सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता लाने की बात की जा रही है तो कांग्रेस ही उसके सामने सबसे बड़ा रोड़ा है. जिन राज्यों में यूसीसी लाई गई है, वहां भी कांग्रेस इसके विरोध में खड़ी है. उत्तराखंड में इसे लागू कर दिया गया है. बाकी राज्यों में इसे लागू करने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है. कांग्रेस एक देश दो कानून कि अपराधी है. अब ऐसी बातें करके अपने अपराध को ही उजागर कर रहे हैं. कांग्रेस ने बहुसंख्यक समाज के लिए हिंदू विवाह अधिनियम के रूप में एक विधान बनाया जबकि मुस्लिम समाज के लिए संविधान में पर्सनल कानून को जगह दी. जो कि, संविधान निर्माताओं की भावनाओं के खिलाफ था. यह है एक देश दो कानून की असली पिक्चर? इसी प्रकार मुसलमानों के लिए वक़्फ़ कानून लाया गया. क्या कांग्रेस ने कभी सनातन धर्म के लिए ऐसे कानून पर विचार किया? एक तरफ वक़्फ़ बोर्ड बनाया गया. उन्हें धार्मिक यात्राओं पर सब्सिडी दी गई दूसरी तरफ बहुसंख्यक समाज को जातियों में बांटा गया.

कांग्रेस की एक देश दो कानून की तुष्टिकरण वाली सोच ही है, जिसके अंतर्गत अल्पसंख्यकों को तो धार्मिक शिक्षा का अधिकार दिया गया. इसके लिए सब्सिडी दी गई. दूसरी तरफ सनातन धर्म से धार्मिक शिक्षा के अधिकार को छीन लिया गया. एक देश दो कानून के इस टाइमबम से आज देश में हिंदू मुस्लिम विवाद चरम पर पहुंच गए हैं. कांग्रेस शायद यही चाहती थी कि, एक समूह के वोट बैंक का तुष्टिकरण कर सत्ता की सीढ़ी चढती रहे और दूसरे समूह को जातियों में बांटकर लड़वाए रखा जाए. कांग्रेस आज भी वही कर रही है.

वक़्फ़ बोर्ड में मुस्लिम समाज की निचली बिरादरियों को कानून के तहत कोई जगह नहीं दी गई. हाल ही में वक़्फ़ कानून में जो संशोधन हुआ है उसमें मुस्लिम समाज की पिछड़ी बिरादरियों को भी मौका दिया गया है. इसका भी कांग्रेस इसलिए विरोध कर रही है क्योंकि उसे ऐसा लगता है कि, एक देश दो कानून बनाकर चल रही वोट बैंक के तुष्टीकरण की उसकी राजनीति टूट सकती है.

जो कांग्रेस एक देश, एक कानून की खूनी है. जो कांग्रेस एक देश दो कानून बनाने वाली है, वहीं कांग्रेस आज दो द्रश्यों की तुलना कर दोनों धर्म के बीच कटुता बढाकर अपना राजनीतिक हित साधना चाहती है. देश में धर्म की पूरी स्वतंत्रता है. हर धर्म के आयोजन को समुचित सम्मान मिलता है. कांवड़ यात्रा वर्ष में एक बार सावन के महीने में आयोजित होती है जबकि नमाज हर दिन का विषय है. इन दोनों की कोई तुलना नहीं है.

दिग्विजय सिंह की राजनीतिक काबिलियत असंदिग्ध है. वह ना डरते हैं, ना झुकते हैं. लेकिन छवि से तो सबको डरना चाहिए. जब कोई साधु जैसा हो और उसको शैतान जैसा बताया जाए तब तो सुनने वालों को खराब लगता है.

धार्मिक प्रतीकों की राजनीति, कांग्रेस का पेशा रहा है. कांवड़ और नमाज की तुलना की सोच नई नहीं है.. इसी सोच में कांग्रेस के पतन का इतिहास छिपा है.

## सबमरीन केबल के खतरे

**राकेश दुबे**

इसमें कोई संदेह नहीं कि समुद्र के भीतर बिछी केबल (सबमरीन केबल) इस दौर की मूक जीवनरेखाएं हैं, जो वैश्विक इंटरनेट ट्रैफिक का संचालन करने में अहम भूमिका निभाती हैं और हमारी अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक विकास को गति देती हैं। इन केबल की क्षमता हर दो से ढाई साल में दोगुनी हो जाती है।

वर्ष 2024 तक, दुनिया भर में 550 से ज्यादा केबल सिस्टम बिछे हुए थे जिनकी कुल लंबाई 14 लाख किलोमीटर है यानी ये इतनी लंबी हैं कि इनसे पृथ्वी को 35 बार घेरा जा सकता है। भारत में डेटा इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में उसके लिए भी समुद्र के भीतर केबल नेटवर्क का बढ़ना बहुत जरूरी है। अभी तक, निजी कंपनियों के बदौलत इस उद्योग में तेज वृद्धि हुई है लेकिन यह काम थोड़ा बेतरतीब रहा है। लूजोन स्ट्रेट और मलक्का स्ट्रेट जैसे कुछ खास जगहों पर इन केबलों का बेहद घना क्लस्टर है, जिससे उनके टूटने का खतरा बना हुआ है। इन सबमरीन केबल के बेहतर प्रबंधन के लिए कोई औपचारिक नियम-कानून नहीं है, जिससे सुरक्षा संबंधी दिक्कतें पैदा होने पर भविष्य में गंभीर रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं।

एक रणनीतिक बदलाव यह परिभाषित कर रहा है कि देश समुद्र के नीचे केबलों को किस प्रकार अहमियत दे रहे हैं। दरअसल, अब इन्हें सिर्फ वाणिज्यिक बुनियादी ढांचा ही नहीं बल्कि देश की संप्रभुता और वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाने वाली चीज मानी जा रही है। अमेरिका का लंबे समय से इस क्षेत्र में दबदबा रहा है, लेकिन चीन अपनी 'बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव' योजना का इस्तेमाल कर, प्रमुख संचार मार्गों पर अपना नियंत्रण करने में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान अपनी भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर, चीन के साथ मिलकर 'डिजिटल सिल्क रोड' में अपनी भूमिका तैयार कर रहा है।

चीन द्वारा बनाई गई केबल को लेकर बढ़ती चिंता के कारण, अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान 'स्वच्छ केबल' समूह बनाने पर जोर दे रहे हैं। भूराजनीतिक दबाव के कारण, दक्षिण पूर्व एशिया-पश्चिम एशिया-पश्चिमी यूरोप 6 केबल परियोजना से चीन की कंपनियों के हटने के बाद, उन्होंने यूरोप-पश्चिम एशिया-एशिया परियोजना के तहत फिर से मिलकर काम शुरू किया। चाइना टेलीकॉम, चाइना मोबाइल और चाइना यूनिकॉम के नेतृत्व में, चीन अब हॉन्गकॉन्ग, हेन्नान, सिंगापुर, पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्र और फ्रांस को जोड़ रहा है जिसके लिए हुआवे मरीन टेक्नॉलजीज भी मुख्य ठेकेदार कंपनी के रूप में मौजूद है।

दुर्घटना से होने वाले नुकसान के अलावा, सबमरीन केबलों को क्षतिग्रस्त करने का एक बड़ा खतरा है, क्योंकि इसे आसानी से अंजाम दिया जा सकता है। हाल ही में, चीन के एक जहाज शुनशिंग-39 ने ताइवान के कीलंग हार्बर के पास समुद्र के नीचे की केबलों को काट दिया जो चीन की सीधे-सीधे युद्ध घोषित किए बिना किसी को परेशान करने की नीति के तहत ही केबल हमलों के इस्तेमाल का संकेत है।

चीन केबल बिछाने, केबल शिप बनाने और दोहरे उपयोग वाले समुद्री बुनियादी ढांचा तैयार करने में अपनी भूमिका तेजी से बढ़ा रहा है। पश्चिमी देशों और जापान की कंपनियां अब भी केबल मरम्मत में आगे हैं, लेकिन चीन अपनी क्षमता को बढ़ा रहा है और चार से छह मरम्मत करने वाले जहाजों का संचालन कर रहा है, जिनमें से कम से कम एक का संबंध, पीपल्स लिबरेशन आर्मी यानी चीन की सेना से बताया जाता है। भारत को अपनी केबल मरम्मत क्षमता बढ़ाने पर विचार करना चाहिए और यह संभवतः किसी सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड के माध्यम से होना चाहिए। इससे न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि चीन के जहाजों से सावधान रहने वाले क्षेत्रीय भागीदारों को भी सहयोग मिलेगा।

सबमरीन केबल से जानकारी चुराने के खतरे से निपटने के लिए, महत्त्वपूर्ण रास्तों की लगातार निगरानी करने के साथ ही समुद्र तल के नीचे आधुनिक क्षमताएं विकसित करना जरूरी है, जिनमें सेंसर और मानवरहित जहाज शामिल हैं। आईडेक्स पहल के तहत एक दर्जन से अधिक ऐसी तकनीकें खरीदी जा रही हैं और इन्हें तेजी से पूरा किया जाना चाहिए।

## विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

**ललित गर्ग**

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

# सरकार के गले की हड्डी बना सिया विवाद, दो वरिष्ठ अफसरों पर एफआईआर की सिफारिश

**सुरेश तिवारी**

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियंत्रित एक अथॉरिटी के अध्यक्ष ने सरकार के ही अंग दो आईएएस ऑफिसर्स के खिलाफ एफआईआर कराने की संस्तुति की है। मध्य प्रदेश और संभवतः देश के इतिहास में यह पहला मामला है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इस मामले के सुलझने में जितनी देर हो रही है उतनी ही सरकार की किरकिरी हो रही है। रोचक तथ्य यह है कि एफआईआर की संस्तुति करने वाले स्टेट एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (सिया) के चेयरमैन शिवनारायण चौहान स्वयं एक आईएएस अफसर रह चुके हैं, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इतना ही नहीं राजगढ़ जिले के एक विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में उनका नाम काफी चर्चा में था (हालांकि उन्हें टिकट नहीं मिला था)। यह सर्वविदित है कि उनको वर्तमान पद भाजपा के सदस्य होने के कारण मिला। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में उनका आरोप है कि पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार हो रहा है और इसके लिए दोषी पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी और पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन की निदेशक उमा माहेश्वरी हैं। इस मामले में सरकार की तब और किरकरी हुई जब इस मामले को उठाने के बाद चौहान को अपने ऑफिस पर ताला लगा मिला। स्टाफ ने बताया कि ताला प्रमुख सचिव नवनीत मोहन कोठारी के आदेश पर लगाया गया। बाद में कोठारी ने सफाई दी कि बिजली की शॉर्ट सर्किट होने के कारण ऐसा किया गया था। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव अभी विदेश दौरे पर हैं। उन पर सभी की निगाहें हैं कि वे वापस आते ही इस मामले को कैसे सुलझाते हैं?

पहले जैसा नहीं रहा सिंधिया गुट का प्रभाव

भाजपा की राष्ट्रीय कार्य परिषद के 42 सदस्यों में

ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल किए गए हैं। उनका और कोई समर्थक इस लिस्ट में दिखाई नहीं दिया। मोहन कैबिनेट में भी सिंधिया खेमे के मात्र तीन विधायक मंत्री हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि हाईकमान अब संगठन और स्थानीय नेतृत्व को तरजीह दे रहा है, जबकि सिंधिया को 'केंद्रीय मंत्री' तक सीमित कर रहा है। कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश की राजनीति में सिंधिया गुट प्रभाव पहले जैसा नहीं रह गया है।

### मंत्री का जन्मदिन और सिविल सेवकों का आचरण!

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में राज्य मंत्री नारायण सिंह पंवार के जन्मदिन पर कुछ ऐसा हुआ, जिसने अफसरशाही की निष्पक्षता और प्रशासनिक गरिमा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक खुद मंत्रीजी के कार्यालय पहुंचे और बाकायदा कलेक्टर-एसपी ने मंत्री को केक खिलाकर, हैप्पी बर्थडे की तालियों के बीच तस्वीरें खिंचवाकर उनका जन्मदिन मनाया। यह सब सरकारी समय और मंत्री के व्यक्तिगत कार्यालय में हुआ। इस घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रही हैं। प्रशासनिक गलियारों में इस जन्मदिन को लेकर यह चर्चा है कि क्या कलेक्टर-एसपी का यह आचरण सिविल सेवकों के लिए बनाई गई आचरण नियमावली के अंतर्गत था? क्या आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का किसी मंत्री या राजनेता का बर्थडे उनके कार्यालय में जाकर मनाना अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमों, संवैधानिक भूमिका और लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है?

### हंगामेदार रहेगा संसद का मानसून सत्र

दिल्ली में 21 जुलाई से प्रारंभ होने वाला संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने वाला है। कांग्रेस और विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पर दिए गए बयान जैसे मुद्दों को उठाने के लिए कमर कस ली है। सरकारी पक्ष भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। अगले सात दिन राजनीतिक रूप से भी काफी व्यस्त रहेंगे।

### आईएएस विवेक अग्रवाल और प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर में भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1994 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के अधिकारी विवेक अग्रवाल का महत्व बढ़ता जा रहा है। यह उस समय देखने को मिला जब विवेक अग्रवाल ने पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित एक अंतरराज्यीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक वाराणसी को इंदौर के समान स्वच्छ और साफ सुथरा बनाने पर केंद्रित थी। इसमें इंदौर के कलेक्टर और निगम आयुक्त ने वाराणसी के अधिकारियों को इंदौर के स्वच्छता मॉडल पर विस्तार से जानकारी दी। वाराणसी और इंदौर के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने की। अग्रवाल 20 साल पहले इंदौर के कलेक्टर रहे हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने वाराणसी को शहर को स्वच्छ और साफ सुथरा बनाने की जवाबदारी विवेक अग्रवाल को दी है।

## सुझाव पर अमल हो

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए।

**कंफ्यूजन की स्थिति-** आधार और राशन कार्ड को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से बाहर रखने के कारण बड़ी आबादी के सामने संकट खड़ा हो गया है। हमारे सहयोगी झ्रह्ढ्ढ की रिपोर्ट के मुताबिक, केवल किशनगंज जिले में एक हफ्ते के भीतर निवास प्रमाण पत्र के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। कई जगह घर-घर जाकर बांट रहे कर्मियों ने लोगों से कहा है कि वे आधारकार्ड की कॉपी ही जमा करा दें। इस तरह के कंफ्यूजन से बेहतर है, आयोग बीच का रास्ता निकाले। शीर्ष अदालत ने रोक तो नहीं लगाई, लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह टाइमिंग भी है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा।जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है और लोकतंत्र में सबसे अहम है लोक यानी जनता। लेकिन, चुनाव आयोग की मौजूदा प्रक्रिया में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। यह रिवीजन जुड़ा है वोटर लिस्ट से, लेकिन मेसेज जा रहा है कि इससे नागरिकता तय होगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से राहत मिलेगी कि निर्वाचन आयोग का किसी व्यक्ति की नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं। यह मामला केवल बिहार तक सीमित रहने वाला नहीं है। दूसरे राज्यों में वोटर लिस्ट की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

## पीएम किसान की 20वीं किस्त आज हो सकती है जारी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त आज यानी 18 जुलाई को किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा सकती है। हालांकि सरकार की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि पीएम मोदी आज बिहार के मोतिहारी दौरे के दौरान इस किस्त को जारी कर सकते हैं। देशभर के करोड़ों किसान इस किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि खरीफ की बुआई का समय चल रहा है और यह आर्थिक सहायता उनके लिए बेहद जरूरी है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 2019 में की गई थी, जिसका मकसद छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मदद देना है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को हर साल 6000 रुपये तीन बराबर किश्तों में दिए जाते हैं। अब तक 19 किस्तें जारी की जा चुकी हैं और 20वीं किस्त आज किसी भी समय जारी की जा सकती है।

## मंत्रालय बार द्वारा न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा का सम्मान

**भोपाल।** म.प्र. मंत्रालय बार ऐसोसिएशन के अध्यक्ष संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा म.प्र. न्यायालय के मुख्य न्यायधिपति न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा का सम्मान किया गया एवं उन्हें कलकत्ता से आया हुआ सिद्ध अंगवस्त्र एवं मोतियो की माला से सम्मान किया गया। उपरोक्त सम्मान के समय मुख्य रूप से मंत्रीगण, सांसद एवं कई न्यायाधीश एवं विधायक के साथ साथ स्टेट बार काउंसिल ऑफ म.प्र. के अध्यक्ष राधेलाल जी गुप्ता एवं विजय चौधरी जी जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री दीपक खरे, सचिव मनोज श्रीवास्तव एवं बार ऐसोसिएशन के अन्य सदस्य विजय सर्वेया, सुधीर दुबे, यावर खान, अजय गुप्ता, विवेक चौधरी, छोगमल पटेल एवं अश्विनी राठौर, सोनल नायक इत्यादि थे।

## गेहूं खेडी में खेत में बनी डाबरी में डूबने से दो बच्चों की हुई मौत

**सिरोंज।** गुरुवार को गेहूं खेडी में दर्दनाक हादसे होने डाबरी में फंस दो चिराग बुज इसके बाद पूरे गांव में शौक का माहौल है। राजाराम राजपूत के द्वारा घर के पास में ही खेत में बनाई गई डाबरी में तीन फिट से ऊपर पानी था पर कीचड़ होने से अंश और चंद्रपाल की मृत्यु हो गई सुबह 10 से 11 के करीब दोनों बच्चे घर से बिना कुछ बताएं निकले पर काफी देर तक नहीं आए तो परिजनों ने उनकी तलाश की तो डाबरी के किनारे पर इनके कपड़े मिले तो गांव वालों ने डाबरी में उत्तर कर खोजबीन की तो गंदे पानी में फंसे हुए बच्चों मिले इसके बाद परिजन इनको को सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत्यु घोषित कर दिया इसके बाद पीएम करवाया वहीं सूचना प्राप्त होने के बाद नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल भी पहुंचे पंचनामा बनाया इधर पुलिस में मार्ग कायम करके मामले को जांच में लिया है पूरा घटनाक्रम मुगलसराय थाना क्षेत्र का है। मुगलसराय पुलिस के साथ नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल मौके पर पहुंचे पंचनामा तैयार करवाया दोनों बच्चों का पीएम शासकीय राजीव गांधी अस्पताल में करवाया गया डूबने से अंश पिता राजाराम राजपूत उम्र 12 वर्ष एवं चंद्रपाल पिता जीवन सिंह राजपूत की है जबकि राजाराम राजपूत की डाबरी थी इनका इकलौता लड़का था ।

## नगर परिषद द्वारा टीन शेड में साप्ताहिक हाट बाजार लगवाया गया

**औबेदुल्लागंज (संवाददाता)।** कार्यालय नगर परिषद औबेदुल्लागंज नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे , मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण राहंगडाले एवं मुकेश कुमार जैन उपयंत्री के द्वारा दिए गए आदेश अनुसार वार्ड क्रमांक 4 स्थित साप्ताहिक हाट बाजार को अनुमानित 550 दुकान लगाए जाने हेतू कर्मचारीयो एवं दल के सहयोग से हाट बाजार की संपूर्ण आवश्यक व्यवस्था को पूर्ण साप्ताहिक हाट बाजार लगाया गया टीन सेट पर हाट बाजार लगाने से समस्त नगर वासियों को बाजार आने-जाने में सब्जी क्रय किए जाने में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होगी एवं इसका लाभ समस्त नगर वासियों को होगा इस व्यवस्था में को बनाए जाने में लगे कर्मचारी अधिकारी महेश मीणा, राजकुमार शर्मा, प्रमोद तिवारी, सुभाष सराठे ,संजय बाजपेई, राजकुमार दरोगा, एवं समस्त नगर परिषद के समस्त पार्षद गण एवं नगर के वरिष्ठ नागरिक इस कार्य को सफल बनाने हेतु विशेष रूप से उपस्थित रहे आपको बता दे की पूर्व नपाध्यक्ष तूफान सिंह राजपूत ने साप्ताहिक हाट बाजार के लिए ढाई एकड़ भूमि शासन के माध्यम से बीज निगम से बीते 10 वर्ष पूर्व स्वीकृत कराई जिसमें टीन शेड ब चबतरे का निर्माण कराया गया वहीं पूर्व पार्षद हरपाल सिंह राजपूत ने हस्ताक्षर अभियान चलाया था साप्ताहिक हाट बाजार हुआ कीचड़ मुक्त द्य

## मप्र पैरा स्पोर्ट्स एसोसियन के दमोह जिला अध्यक्ष बने प्रमोद विश्वकर्मा

**दमोह।** प्रमोद विश्वकर्मा बने दमोह जिले के पैरा स्पोर्ट्स एसोसियन के जिला अध्यक्ष मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसियन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ विवेक सिंह परिहार जी ने नियुक्ति की इस अवसर पर क्या कहा जिला अध्यक्ष बनने पर प्रमोद विश्वकर्मा अभी तक जिले से कोई भी पैरा खिलाड़ी किसी भी खेल में राज्य या राष्ट्रीय स्तर तक नहीं पहुंचा है, लेकिन अब हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से और शहरी क्षेत्रों से ऐसी प्रतिभाएं निकाल कर लाना जो राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभाएं दिखा पाए और हमारा प्रयास रहेगा कि शासन प्रशासन से इनके खेलो के प्रति रुचि को देखकर इनको अधिक मौका मिल सके।

# जालम सिंह पटेल ने किया जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का निराकरण

### विधायक गोटेगांव महेंद्र नागेशएवं जिला पंचायत सदस्य सीताराम नामदेवभी रहे मौजूद

**नरसिंहपुर।** मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगो ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया जनसुनवाई में लगभग 96 आवेदनों की प्राप्ति हुई जिनपर संज्ञान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया आमजनों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनों की जनसमस्या हेतु प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुन कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है जनसुनवाई पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने बताया कि समाज सेवा के क्षेत्र में आने के बाद उन्होंने यह प्रयास किया कि आम जनों के बीच ज्यादा से ज्यादा समय उपलब्ध रह सकू आमजनों के कई ऐसी समस्याए होती है जिनके लिए वह परेशान होते है बहुत लोग ऐसे होते है जो संपर्क नहीं कर पाते उनके लिए इस जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण हो सके और मेरा ऐसा मानना है कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि का यह कर्तव्य भी होना चाहिए कि उसके क्षेत्र के आमजनों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए भटकना ना पड़े उनकी समस्याओं पर तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए जिस जनता ने उस पर विश्वास किया है उस विश्वास पर वह खरा उतरे सकें विधानसभा की जनता जनार्दन के लिए सेवा भाव के साथ कार्य करता हूं कि उन्हें अपनी समस्याओं से राहत मिल सके उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया उक्त जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारीयो के साथ गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश जिला पंचायत सदस्य सीताराम नामदेव सहित सहित अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही जालम सिंह पटेल ने किया जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का निराकरण विधायक गोटेगांव महेंद्र नागेशएवं जिला पंचायत सदस्य सीताराम नामदेवभी रहे मौजूद।

## भाजयुमो नेता की कार में मिली 20 पेटी देसी शराब, एक्साइज विभाग ने नेताजी को दबोचा

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के एक नेता को आबकारी पुलिस की टीम ने 20 पेटी देसी शराब के साथ दबोचा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के यह नेताजी मझौली के रहने वाले हैं और वह अपनी कार से शराब ले जा रहे थे। शराब तस्करी की इस खबर के बाद उनके अन्य तस्कर सहयोगियों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। उधर कांग्रेस ने इस मामले में तीखा प्रहार किया है। जानकारी के मुताबिक कहा जाता है कि बुधवार-गुरूवार की दरम्यानी रात आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कार से अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर आबकारी विभाग ने पौड़ी गांव के पास पौड़ी-मझौली मार्ग पर कार की घेराबंदी की। कार को रोककर जब कार की तलाश ली गई तो उसमें से 20 पेटी देसी शराब जब्त की गई। कार चला रहे युवक को भी हिरासत में लिया गया जिसने अपना नाम प्रशांत राय बताया है। प्रशांत मझौली युवा मोर्चा पश्चिम मंडल में कार्यालय मंत्री है। भाजयुमो नेता प्रशांत राय के अवैध शराब की तस्करी पकड़े जाने पर कांग्रेस ने चुटकी ली है। आरोपी प्रशांत के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 के तहत मामला दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया गया था जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

## पाकिस्तानी युवक ने पूछा- धर्म बदलने के लिए नाम बदलना जरूरी है? पं. धीरेंद्र शास्त्री के जवाब से गूंजीं तालियां

**बुंदेलखंड ।** पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने लंदन में सम्मान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि नाम बदलना जरूरी नहीं है, बल्कि विचार बदलना महत्वपूर्ण है। उनका मानना है कि हिंदू धर्म विचारधारा है, जो सभी को जोड़ता है।

बुंदेलखंड के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लंदन की संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान मानवता, शांति और सामंजस्य के लिए दिया गया। शास्त्री जी बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर हैं।

समारोह के दौरान धीरेंद्र शास्त्री के कार्यों की सराहना की गई। उन्होंने भारत में निर्धन बेटियों के विवाह, अन्नपूर्णा सेवा और कैंसर अस्पताल निर्माण जैसे जनकल्याण के कार्य किए हैं। इन कार्यों की छाप ब्रिटेन में भी देखने को मिली है।

**नाम के बजाय विचार बदलने की जरूरत:** कार्यक्रम के दौरान एक पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति मोहम्मद आरिफ ने सवाल पूछा कि क्या हिंदू बनने के लिए नाम बदलना जरूरी है। इस पर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि विचारों का बदलाव ही असली धर्म परिवर्तन है। नाम बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

अगर किसी का दिल हिंदू धर्म के सिद्धांतों को स्वीकार करता है, तो वह सनातनी है। पाकिस्तानी नागरिक के सवाल के बाद पंडित धीरेंद्र शास्त्री के जवाब ने ऐसा माहौल बनाया कि हाउस में मौजूद लोग तालियां बजाने लगे।

**ब्रिटेन की संसद में हनुमान चालीसा का पाठ:** बागेश्वर बाबा ने भारत की संस्कृति को प्रोत्साहित किया और कहा कि सनातन धर्म की विचारधारा संपूर्ण विश्व को अपना परिवार मानने की है। उन्होंने ब्रिटेन की संसद में हनुमान चालीसा का पाठ भी किया, जो भारतीय संस्कृति की जीत थी।

**कैंसर अस्पताल के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों पर चर्चा:** पं. धीरेंद्र शास्त्री ने आगे की योजनाओं पर भी बात की। उनका उद्देश्य विश्वभर से मानवता के लिए काम करने वाले लोगों को जोड़ना और बागेश्वर धाम में उनकी सेवाएं लाकर गरीबों की मदद करना है। उन्होंने कैंसर अस्पताल के संचालन के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों को बुलाने की योजना भी साझा की।

**लंदन के बाद ओमान और दुबई जाएंगे:** बागेश्वर बाबा इन दिनों अपनी 20 दिवसीय विदेश यात्रा पर हैं। वह लंदन के बाद ओमान और दुबई जाएंगे। इस यात्रा के दौरान वह सनातन धर्म का प्रचार करेंगे और हनुमंत कथा सुनाएंगे। यह यात्रा 31 जुलाई तक चलेगी, जिसके बाद वे भारत लौटेंगे।

## क्या मप्र में फ्लॉप हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई तीन साल में एक भी छात्र ने नहीं दी परीक्षा

**मंडल।** लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती उइके का अलग अंदाज गुरुवार को देखने मिला जब वे नैनपुर प्रवास के बाद चिराईडोंगरी पहुंची। यहाँ शासकीय कृषि प्रक्षेत्र चिरईडोंगरी में खेतिहर मज़दूरों द्वारा धान के रोपे लगाए जा रहे थे। मंत्री श्रीमती उइके भी उनके बीच जाकर धान की रोपाई करने लगी। किसान महिलाओं ने उन्हें अपने बीच पाकर उत्साह से पाटा गीत भी गाया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस प्रदेश का हर एक किसान अपनी मिट्टी, खेत और फसल से अत्यधिक लगाव रखता है। उन्होंने प्रार्थना की कि हम सभी किसानों की फसलें खूब लहलहाएं धन-धान्य से परिपूर्ण रहें। उन्होंने कहा कि कृषि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। हम चाहे किसी भी पद पर क्यों ना पहुँच जायें ? अपने इस मूल काम को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। यह सीख हमें आने वाली पीढ़ी को देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समय के साथ खेती की तकनीकी में भी बदलाव आया है। पहले हम पारंपरिक तरीके से धान की रोपाई करते थे अब इसका स्थान पैडी ट्रांसप्लांटर ने ले लिया है। यह खेती का आसान और किफायती तरीक़ा है।

## आष्टा पुलिस द्वारा मार्टिनेट विद्यालय में विद्यार्थियों के लिये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**आष्टा।** पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा दिनांक 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत थाना पार्वती के निरीक्षक हरि सिंह परमार एवं मार्टिनेट विद्यालय के प्रबंधक विनीत कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया और छात्र छात्राओ को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। अपने वक्तव्य में थाना निरीक्षक महोदय ने कहा कि नशा जीवन का नाश कर देता है। इससे दूर रहकर ही जीवन को संवारा जा सकता है, साथ ही उन्होने बताया कि पुलिस लोगो को डराने के लिये नही बल्कि उनकी सुरक्षा और जनता के सहयोग के लिये है। इसलिये किसी भी विपत्ति की स्थिति में 100 नंबर डायल करके तुरंत पुलिस की सहायता प्राप्त करे। इसके पश्चात् सभी विद्यार्थियों सहित उपस्थित जनों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई तथा सभी को 14446 नशा मुक्ति हेल्प लाईन नंबर की भी जानकारी दी गई और बताया गया कि नशे से संबंधित गतिविधियो और अपराधो के लिये आप इस नंबर पर कॉल करके सहायता से ले सकते हैं। बालिकाओ को विशेष रूप से सतर्क और जागरूक रहने के लिये प्रेरित किया गया।

## नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता अभियान का केंद्रीय विद्यालय व शिशु मंदिर सिवनी में आयोजन

**सिवनी।** पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश द्वारा जारी जागरूकता अभियान ÷नशे से दूरी हैं,जरूरी÷ के तृतीय दिवस के क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय सिवनी श्री सुनील मेहता के कुशल मार्गदर्शन, अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री दीपक मिश्रा,नपुअ श्रीमती पूजा पांडेय के निर्देशन व नेतृत्व में जिले के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय व शिशु मंदिर सिवनी में आयोजन किया गया जागरुकता कार्यक्रम में निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे द्वारा छात्र छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया नशे की आदत से कैसे बचे, सावधान रहने को लेकर विस्तार से प्रबोधन किया गया साथ ही नशा मुक्ति से जुड़ी सहायता मानस हेल्प लाइन 1933,14446, नेशनल सुसाइड हेल्प लाइन 14416 , मध्यप्रदेश नारकोटिक्स विभाग 7049100785 की जानकारी भी सांझा की गई व सूचना देकर समाज को नशे से बचाने के लिए प्रेरित किया गया, छात्र छात्राओं द्वारा नशे की हर आदत से दूर रहने व व्यसन में पड़े लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने की शपथ दोहराई गई। छात्र छात्राओं के प्रश्नों व जिज्ञासा के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारी ट्रैफिक ऐक्सिडेंट व नशे से होने वाली असमय घटना व पारिवारिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव समझाया गया। केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य महोदय श्री दीपक साहू द्वारा पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस जागृति अभियान को युवा भविष्य के जरूरी बताया गया, सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य महोदय श्री यादव द्वारा संस्कार युक्त शिक्षा व जागरूकता से ही मनुष्य जीवन में गलत दिशा में जाने से बच सकता हैं व पुलिस अभियान की बातों को जीवन भर याद रखने की समझाइश दी गई। दव्य विद्यालय के 1000 से अधिक छात्र छात्राओं व शिक्षक गणों की प्रेरणादाई उपस्थिति रहीं।सभी ने ÷हमारा यह संदेश नशा मुक्त हो मध्यप्रदेश÷ अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। जागरूकता नोडल टीम के सदस्य उनि प्रमोद भारद्वाज,आर भूषण बहेटवार का सराहनीय सहयोग रहा। छात्र छात्राओं ने ÷नशे से दूरी हैं जरूरी÷ जागरूकता पैंपलेट चस्पा कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

## दिव्यांगजनों को सम्मान, समान अधिकार और अवसरों के साथ स्वतंत्र रूप से जीने का पूर्ण अधिकार

**बस्ती।** बढ़ते कदम दिव्यांगजन जागरूकता कार्यक्रम नेशनल ट्रस्ट सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से युवा विकास समिति बस्ती द्वारा में रामनगर विकास खंड सभागार में आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख यशकांत सिंह नें कहा कि नेशनल ट्रस्ट द्वारा एक समावेशी समाज का निर्माण करने जो मानवीय विविधता को महत्व मिला है और जो दि?यांगजनों को सम्मान, समान अधिकारों और अवसरों के साथ स्वतंत्र रूप से जीने में पूर्ण भागीदारी को सक्षम और सशक्त बनाता है।

विशिष्ट अतिथि नितेश शर्मा नें बढ़ते कार्यक्रम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा नेशनल ट्रस्ट दिव्यांगजनों और उनके परिवारों की क्षमता विकास के अवसर प्रदान करने, उनके अधिकारों को पूरा करने, एक सक्षम वातावरण और एक समावेशी समाज के निर्माण को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है।

जिला दिव्यांग पुनवार्स केंद्र में परामर्शदाता राधेश्याम चौधरी ने कहा कि नेशनल ट्रस्ट भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय का एक सांविधिक निकाय है, जो ÷ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता (बौद्धिक दि?यांगता) और एकाधिक विकलांगता (बहुदि?यांगता) वाले व्यक्तियों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय न्?यास÷ अधिनियम (1999 का अधिनियम 44) के तहत पूरे देश में दिव्यांगजनों के हित में कार्य कर रहा है।

उन्होंने नेशनल ट्रस्ट के निरामया स्वास्थ्य बीमा योजना, घरौंदा संस्थागत देखभाल योजना, समर्थ योजना एवं स्वावलंबन योजना जैसी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी।

युवा विकास समिति के सचिव बृहस्पति कुमार पाण्डेय ने कहा कि बस्ती में ÷बढ़ते कदम÷ दिव्यांगजन जागरूकता कार्यक्रम किये जाने का मुख्य उद्देश्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में उनके समावेश को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता ) और बहुदि?यांगता वाले लगभग 40 व्यक्तियों को निरामया स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया।

## बुजुर्गों की सेहत पर आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन, 723 लाभान्वित

**सांध्य प्रकाश नर्मदापुरम।** राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत गत दिवस जिले में ÷बुजुर्ग और उपशामक स्वास्थ्य देखभाल÷ विषय पर आधारित आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया गया। यह आयोजन संचालनालय आयुष भोपाल, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस.आर. करोंजिया के मार्गदर्शन में किया गया। शिविरों का आयोजन जिले के 12 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में किया गया, जिसमें 723 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया।

### शिविर की प्रमुख गतिविधियाँ

शिविर के दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं हीमोग्लोबिन की निःशुल्क स्क्रीनिंग की गई। इसी प्रकार आमवात, संधिवात (गठिया), प्रोस्टेट, मुख रोग, नेत्र विकार, त्वचा रोग एवं मानसिक विकारों के लिए औषधियाँ प्रदान की गईं। साथ ही रोगियों को योगाभ्यास की जानकारी भी दी गई। औषधीय पौधों जैसे हल्दी, नीम, करी पत्ता, जामुन, सहजन, घृतकुमारी की उपयोगिता बताते हुए नागरिकों को इन्हें अपने घरों में लगाने हेतु प्रेरित किया गया। वर्षा ऋतु जन्य व्याधियों से बचाव एवं उचित आहार-विहार की जानकारी दी गई। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु हल्दी, दालचीनी, अदरक, अजवाइन, सौंफ जैसे घरेलू मसालों के गुण बताए गए। नागरिकों को दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के विषय में मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

## पुरानी इटारसी में 11-11 लाख से बनेंगी दो मुख्य सड़कें

**सांध्य प्रकाश, इटारसी।** पुरानी इटारसी में 11-11 लाख रुपए की लागत से दो सड़कों का निर्माण होगा। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा और नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने इन रोड निर्माण के लिए वार्ड 2 शुक्ला टॉवर के पास जमानी रोड में भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री मुकेश मैना, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष जय किशोर चौधरी, भाजपा के पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, नगर मंडल इटारसी अध्यक्ष राहुल चौरे, नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष अरुण चौधरी, पार्षद सभापति राकेश जाधव, मंजीत कालोसिया, पार्षद राहुल प्रधान, वरिष्ठ नेता अशोक साकल्ले, अशोक दुबे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष अशोक मालवीय, मंडल महामंत्री अतुल शुक्ला, सौरभ राजपूत, जितेंद्र मालवीय, विजय चौरे, प्रशांत मनवारे, रमेश धूरिया, अंकित मेहतो, अंशु यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा, सहायक इंजीनियर मीनाक्षी चौधरी आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि पुरानी इटारसी के विकास के लिए नगर पालिका लगातार योजना बनाकर काम कर रही है, आगे भी विकास कार्य किये जाएंगे। उन्होंने कहाकि पुरानी इटारसी ने हमेशा हमें विकास के लिए सहयोग किया है, हम भी हमारा कर्तव्य निभा रहे हैं। उन्होंने यहां की जनता को आश्वस्त किया है कि नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के साथ आगे भी विकास कार्यों को गति दी जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्तापूर्ण कार्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जनता ने जो हम पर विश्वास किया है, विश्वास की उस कसौटी पर हम खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने उन्होंने वार्ड और पुरानी इटारसी के महत्वपूर्ण विकास कार्यों में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

## खाद बीज एवं कीटनाशक दुकानों की जांच करने पहुंचे एसडीएम

**सिरोंज।** किसानों को कई दुकानदारों के नकली खाद बीज के साथ कीटनाशक दवाई बेचने का काम करके नुकसान पहुंचने का कार्य किया जाता है। गुरुवार को एसडीएम हर्षल चौधरी इनकी जांच करने के लिए दुकानों पर पहुंचे ।शहरी क्षेत्र संचालित हो रही निजी खाद दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया एवं शासन नियमानुसार निर्धारित दर पर विक्रय करने हेतु निर्देशित किया गया। समस्त दुकानदारों को हिदायत दी गई है कि किसी भी प्रकार की नैनो यूरिया आदि की बोतल को टैग कर कृषक को खरीदने के लिए विवश ना किया जाए ऐसा किया गया तो कार्रवाई करेंगे कृषकों को नैनो यूरिया/ नैनो के फायदों के बारे में जागरूक कर प्रेरित करे जिससे कि वहां त स्वतः इसको उपयोग में लाएं।

## सारे जहां से अच्छाः एक रोमांचक जासूसी ड्रामा, 13 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर

**मुंबई, एजेंसी।** 1970 के दशक की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित नेटफ्लिक्स की आने वाली सीरीज़ %सारे जहां से अच्छा' देशभक्ति, बलिदान और जासूसी की एक दिलचस्प कहानी लेकर आ रही है। इस काल्पनिक कहानी में प्रतीक गांधी एक सतर्क और अडिग खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर की भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज़ एक मिशन पर आधारित है, जिसमें काफी तनाव और सस्पेंस है। इसमें सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनुप सोनी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर आने वाली यह सीरीज़ गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई है और बॉम्बे फेबल्स ने प्रोड्यूस किया है, जबकि भावेश मंडालिया इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। सारे जहां से अच्छा' देश की खुफिया दुनिया की उस अनदेखी हकीकत को दर्शाता है, जहाँ महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाने में थोड़ी सी भी देरी देश के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस सीरीज़ मे एक बेहद खतरनाक मिशन के तहत विष्णु को एक संभावित परमाणु संकट को टालने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इस मिशन को पूरा करने के लिए उसे कई मुश्किल और धोखेभरे रास्तों से होकर गुजरना होगा ताकि भारत अपने शत्रुओं से हमेशा एक कदम आगे रह सके ।

## न्युवोको विस्टास ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

**मुंबई, एजेंसी।** न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख निर्माण सामग्री कंपनी, ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 25 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष की संयुक्त स्थापित क्षमता के साथ, कंपनी लगभग 25 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता प्राप्त करने की राह पर है। वडराज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के सफल अधिग्रहण के बाद वित्त वर्ष 27 की तीसरी तिमाही तक 31 एमएमटीपीए सीमेंट क्षमता हासिल कर भारत में अपनी पाँचवीं सबसे बड़ी सीमेंट समूह की स्थिति को लॉन्गटर्म तौर पर बरकरार रखा। हालांकि कंपनी पूर्वी भारत में एक अग्रणी कंपनी बनी हुई है, यह अधिग्रहण पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की न्युवोको की रणनीति के साथ सहज रूप से तालमेल में है। यह कंपनी और उत्पादों के भौगोलिक दायरा बढ़ाने और हितधारकों के लिए लॉन्गटर्म में वैल्यू बढ़ाने के लिए पूरी क्षमताएं प्रदान करता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 5.1 एमएमटी की कंसोलिडिटेड सीमेंट बिक्री वॉल्यूम हासिल की। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में ऑपरेशंस से कंसोलिडिटेड आय वर्ष-दर-वर्ष 9 प्रतिशत बढ़कर 2,873 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 533 करोड़ रुपये का अपना अब तक का ऑलटाइम हाई पहली तिमाही कंसोलिडिटेड एबिटिडा भी दर्ज किया। इसके अलावा, कंपनी अपने डीलीवरेजिंग एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध रही, जिससे समान-से-समानख शुद्ध ऋण वर्ष-दर-वर्ष 884 करोड़ रुपये कम होकर 3,474 करोड़ रुपये रह गया है। प्रीमियम उत्पाद कंपनी के लिए रणनीतिक प्राथमिकता बने हुए हैं, और वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में व्यापार मात्रा में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई।

## नर्मदापुरम में ट्रांसजेंडर समुदाय की कम्युनिटी एडवाइजरी बोर्ड मीटिंग आयोजित

**नर्मदापुरम।** ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण और उनके अधिकारों की सुरक्षा के उद्देश्य से आज नर्मदापुरम के होटल वाटिका पैलेस में अनमोल समाजसेवी संस्थान द्वारा एलायंस इंडिया के सहयोग से परियोजना साहस के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कम्युनिटी एडवाइजरी बोर्ड मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला सेवा विधिक प्राधिकरण नर्मदापुरम से सचिव विजय कुमार पाठक, डॉ. देवदत्त गौड़ सदस्य, चाइल्ड कन्वर्जन फाउंडेशन इंडिया, तारकांत झा (पूर्व सदस्य, बाल कल्याण समिति, श्वेता चौबे सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड, सचिन चोरे एक्सेस टू जस्टिस समन्वयक, अनीता जाट, एवं अनमोल समाज सेवी संस्थान से डायरेक्टर अब्दुल माजिद, कोऑर्डिनेटर दीपक साहू, ऑफिसर शिवा, काउंसलर गायत्री, और अन्य समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

## मंडी समितियों की प्रक्रिया पर की चर्चा

**भोपाल।** संयुक्त मोर्चा सचिव श्री निशांत द्वारा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग से मंडी समितियों में प्रक्रिया जो उच्च स्तर पर विचाराधीन रह गई है उसके बारे में गहन चर्चा की गई। इसी के साथ प्रदेश की समस्त मंडियों में उच्च प्रभार देने की कार्रवाई को शीघ्र करने का अनुरोध किया गया। सचिव द्वारा संयोजक फौजदार साहब, अंगिरा पांडेजी, नैन सिंह सोलंकी की बातों को सुना गया। सचिव द्वारा संयुक्त मोर्चा की सभी मांगों का नियम अनुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।

## रिछारिया भोपाल युवा जिला अध्यक्ष

**भोपाल।** नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय हटवार ने भोपाल युवा जिलाध्यक्ष के पद पर जितेंद्र रिछारिया को नियुक्ति पत्र प्रदान किया, इस गरिमामय कार्यक्रम में नमो नमो मोर्चा भारत के संरक्षक तेली पुरुषोत्तम गुप्ता एडवोकेट, कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू, मुख्य सोशल प्रदेश मिडिया प्रभारी संतोष राज, भोपाल जिला कृषि अध्यक्ष शंभू दयाल साहू, भोपाल जिला उपाध्यक्ष गणेशराम साहू, पूर्व विदर्भ प्रमुख संजय राउत सभी ने युवाओं को सम्बोधित किया, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि शासन की योजनाओं का जन जन तक पहुँचाना हैं, संरक्षक ने सभी को शुभकामनायें दी, सत्येंद्र साहू ने कहा कि सभी बेरोजगारों को रोजगार के अवसर नमो नमो मोर्चा के माध्यम से मिलेंगे।

# वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय बाजार में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और नीतिगत समर्थन की वजह से भारतीय बाजारों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। मैक्रो फंडामेंटल्स का मतलब है अर्थव्यवस्था के व्यापक पहलुओं का विश्लेषण करना, जैसे कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, और सरकारी नीतियां। इसका उपयोग यह समझने के लिए किया जाता है कि ये कारक व्यक्तिगत कंपनियों, उद्योगों और समग्र रूप से बाजार को कैसे प्रभावित करते हैं।

वहीं पीएल कैपिटल के विशेषज्ञ कहते हैं कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बाद भी भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी इस साल के अंत तक 26,889 के स्तर तक पहुंच सकता है। घरेलू मांग में तेजी के कारण घरेलू क्षेत्र की कंपनियां बाजार में आगे बढ़ सकती है। हमारा मानना है कि अगले 12 महीनों में निफ्टी इंडेक्स में 6.5 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है। पीएल कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार फार्मा, चुनिंदा कंज्यूमर स्टेपल्स, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, डिफेंस और पावर सेक्टर निकट भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। वहीं बुल केस (सकारात्मक) स्थिति में निफ्टी 28,957 तक के स्तर तक जा सकता है। ओम्नीसाइंस कैपिटल के स्मालकेस मैनेजर और सीईओ डॉ. विकास गुप्ता कहते हैं कि 2025 की दूसरी छमाही में प्रमुख कारकों पर ध्यान देना चाहिए। इसमें अमेरिकी टैरिफ नीतियों और वैश्विक व्यापार पर उसका असर का प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनावों का समाधान और यूके- भारत मुक्त व्यापार समझौता जैसे मुख्य द्विपक्षीय समझौता शामिल है। यह देश में कपड़ा, फार्मा और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में निर्यात क्षमता को खोल सकते हैं। उन्होंने निवेशकों को सतर्कता बरतते हुए 2025 के बचे हुए महीनों में अमेरिकी मुद्रास्फीति के रुझानों पर नजर रखने की सलाह दी है। हालांकि, अमेरिकी मुद्रास्फीति अभी काफी सौम्य लग रही है, लेकिन अमेरिका में वस्तुओं की आपूर्ति और टैरिफ नीतियों के अनिश्चित प्रभाव की वजह से भविष्य में मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान धुंधला हो सकता है। वहीं अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द होने की उम्मीद है। और अमेरिका में वस्तुओं की आपूर्ति उचित कीमतों पर बनी रहती है, तो फेडरल बैंक दरों में कटौती कर सकता है, जो कि भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक होगा और विदेशी संस्थागत निवेशक का प्रवाह भी मजबूत होने की संभावना है। गुप्ता ने बताया कि ब्याज दरों में कटौती का दौर शुरू हो गया है । अगर मानसून सामान्य रहा और मुद्रास्फीति नियंत्रण में रही, तो रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में और कटौती हो सकती है। इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और हमारा मानना है कि बाजार औसत 5 वर्षीय पीई 25 पर वापस पहुंच जाना चाहिए। इसके अलावा, अगर आय वृद्धि अनुकूल रही, तो 2025 के अंत तक बाजार काफी उछाल पर आ सकता है। 5 वर्षीय पीई 25 का मतलब है, 5 साल की अवधि के लिए पीपीएफ खाता है, जिसमें निवेशित राशि पर 7.5 प्रतिशत की ब्याज दर मिलती है। पीएल कैपिटल की एक रिपोर्ट बताती है कि भारतीय शेयर बाजार ने बीते कुछ महीनों में कई बड़े घटानाक्रमों के बावजूद मजबूती दिखाई है। अब बाजार ने वैश्विक उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव को अपनाना सीख लिया है। वहीं देश के मोर्चे पर वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में सरकार के कैपिटल एक्सपेंडिचर में अच्छी तेजी देखी गई है। अप्रैल और मई में इसमें क्रमशः 61 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की बढ़त रही है।

इसमें सबसे अधिक बढ़त डिफेंस सेक्टर में रही है, जहां पिछले कुछ महीनों में ऑर्डरिंग और खर्च में वृद्धि हुई है। पीएल कैपिटल के संस्थागत इक्विटीज के निदेशक अनुसंधान अमनीश अग्रवाल कहते हैं हालांकि, व्यापक आधार पर सुधार अभी बाकी है, लेकिन कर राहत सामान्य मानसून, मुद्रास्फीति में कमी और कम ब्याज दरें जैसे कारणों से उपभोग संचालित सुधार के लिए परिस्थितियां बना रहे हैं। ग्रामीण उपभोक्ता खर्च करने के लिए आगे आ रहे हैं, जबकि शहरी भावनाएं धीरे-धीरे सुधर रही हैं। इसका असर बाजार पर देखने को मिलेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सभी का ध्यान उपभोक्ता मांग पर टिका है। इसकी वापसी की उम्मीद है। इसलिए निवेशक इन क्षेत्रों से जुड़ी हुई कंपनियों को प्राथमिकता भी दे रहे हैं। सामान्य मानसून, खाद्य मुद्रास्फीति में कमी और बजट में टैक्स कटौती जैसी वजहें मांग को बढ़ा सकती हैं।

# सुक्खू सरकार की बड़ी जीत, कड़छम-वांगतू से अब मिलेगी 18 प्रतिशत रॉयल्टी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से एक महत्वपूर्ण कानूनी सफलता मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने कड़छम-वांगतू जलविद्युत परियोजना से रॉयल्टी को लेकर राज्य सरकार के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। इस फैसले के तहत अब जेएसडब्ल्यू एनर्जी कंपनी को 1045 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना से राज्य को 12 प्रतिशत के बजाय 18 प्रतिशत रॉयल्टी देनी होगी।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि कड़छम-वांगतू पर इस निर्णय से प्रदेश सरकार को लगभग 150 रुपए करोड़ की वार्षिक अतिरिक्त आय होगी। इसके अतिरिक्त बारह वर्ष पूर्ण कर चुकी अन्य परियोजनाओं के लिए भी सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला मील का पत्थर बनेगा और राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस फैसले से खजाने में प्रति वर्ष 250 करोड़ से अधिक की आय आएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को व्यक्तिगत प्राथमिकता पर लिया और प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ प्रयास किए। यह फैसला न केवल प्रदेश की आय में वृद्धि करेगा, बल्कि हिमाचल की जनता को उनके संसाधनों का वास्तविक लाभ भी दिलाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मई 2024 में आए आदेश को निरस्त करता है, जिसमें कंपनी को केवल 12 प्रतिशत रॉयल्टी देने की अनुमति दी गई थी। वर्ष 1999 में राज्य सरकार और कंपनी के बीच हुए समझौते के अनुसार परियोजना के पहले 12 वर्षों तक 12 प्रतिशत और उसके बाद शेष 28 वर्षों तक 18 प्रतिशत रॉयल्टी निर्धारित की गई थी। सितम्बर 2011 में परियोजना के संचालन के आरंभ होने के बाद कंपनी ने 12 वर्षों तक 12 प्रतिशत रॉयल्टी दी, लेकिन सितम्बर 2023 से अतिरिक्त 6 प्रतिशत रॉयल्टी देने से इनकार कर दिया। विवाद हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में पहुंचा और कंपनी की जीत हुई। लेकिन राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।मुख्यमंत्री सुक्खू के निर्देश पर सरकार ने देश के अग्रणी विधि विशेषज्ञों की मदद से यह मामला सशक्त रूप से रखा और अंततः न्यायालय ने राज्य सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, प्राग त्रिपाठी, महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन तथा अतिरिक्त महाधिवक्ता बैभव श्रीवास्तव सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए।

प्रवक्ता ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार राज्य हितों की प्रभावी पैरवी कर रही है और यह निर्णय उसी दिशा में एक मजबूत कदम है, जिससे हिमाचल प्रदेश अपने हकों की पुनः प्राप्ति में सफल हो रहा है।

इससे पहले भी वर्तमान राज्य सरकार ने मजबूत इच्छा शक्ति का प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2002 से कानूनी विवाद में उलझे होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल केस का फैसला भी कोर्ट से अपने हक में करवाया, जिसमें हिमाचल प्रदेश सरकार और एक निजी होटल समूह के बीच स्वामित्व व प्रबंधन अधिकारों को लेकर लड़ाई चल रही थी। कोर्ट के निर्णय के बाद यह संपत्ति अब फिर से राज्य सरकार के नियंत्रण में आ गई है, जिससे भविष्य में इस हेरिटेज प्रॉपर्टी से सरकार को राजस्व लाभ मिलेगा।

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Annexure A: List of Awardee Cities and States

| S.No. | Award | Category | Awardees | State |
|---|---|---|---|---|
| 1 | **India's Cleanest City - No.1** | National | Indore | Madhya Pradesh |
| 2 | **India's Cleanest City - No.2** | | Ambikapur | Chhattisgarh |
| 3 | **India's Cleanest City - No.3** | | Mysuru | Karnataka |
| 4 | **Cleanest big City'** | >10 Lakh | Ahmedabad | Gujarat |
| 5 | 'Fastest Mover' big City | >10 Lakh | Raipur | Chhattisgarh |
| 6 | Best City in 'Citizens Feedback' | >10 Lakh | Navi Mumbai | Maharashtra |
| 7 | Best City in 'Innovation & Best Practices' | >10 Lakh | Jabalpur | Madhya Pradesh |
| 8 | Best City in 'Solid Waste Management' | >10 Lakh | Surat | Gujarat |
| 9 | **Cleanest Medium City'** | 3 - 10 Lakh | Ujjain | Madhya Pradesh |
| 10 | 'Fastest Mover' Medium City | 3 - 10 Lakh | Mathura-Vrindavan | Uttar Pradesh |
| 11 | Best City in 'Citizens Feedback' | 3 - 10 Lakh | Chandrapur | Maharashtra |
| 12 | Best City in 'Innovation & Best Practices' | 3 - 10 Lakh | Jhansi | Uttar Pradesh |
| 13 | Best City in 'Solid Waste Management' | 3 - 10 Lakh | Latur | Maharashtra |
| 14 | **'Cleanest Small City'** | 1 - 3 Lakh | New Delhi Municipal Council | Delhi |
| 15 | 'Fastest Mover' Small City | 1 - 3 Lakh | Orai | Uttar Pradesh |
| 16 | Best City in 'Citizens Feedback' | 1 - 3 Lakh | Tirupati | Andhra Pradesh |
| 17 | Best City in 'Innovation & Best Practices' | 1 - 3 Lakh | Dewas | Madhya Pradesh |
| 18 | Best City in 'Solid Waste Management' | 1 - 3 Lakh | Nagda | Madhya Pradesh |
| 19 | **Cleanest Capital/UT City'** | Capital Cities | Bhopal | Madhya Pradesh |
| 20 | 'Fastest Mover' Capital/UT City | | Chennai | Tamil Nadu |
| 21 | Best Capital City in 'Citizens Feedback' | | Ranchi | Jharkhand |
| 22 | Best Capital City in 'Innovation & Best Practices' | | Greater Mumbai | Maharashtra |
| 23 | Best Capital City in 'Solid Waste Management' | | Chandigarh | Chandigarh |
| 24 | **North Zone's Cleanest City -No.1** | <1 L | Nawashahr | Punjab |
| 25 | **North Zone's Cleanest City -No.2** | <1 L | Mohammadi | Uttar Pradesh |
| 26 | **North Zone's Cleanest City - No.3** | <1 L | Nadigaon | Uttar Pradesh |
| 27 | **North Zone's Fastest Moving City** | <1 L | Dirba | Punjab |
| 28 | Cleanest City in North Zone | >50 K - 1 L | Muradnagar | Uttar Pradesh |
| 29 | Best City in Citizens Feedback - | >50 K - 1 L | Kharar | Punjab |

## अमेरिकी टैरिफ से 2026 में घट सकता है भारत का निर्यात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वित्त वर्ष 2026 में भारत के वस्तु निर्यात को अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। रेटिंग फर्म क्रिसिल की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि टैरिफ बढ़ोतरी अगस्त से लागू होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते और एक महत्वपूर्ण निगरानी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार, 2025 में वस्तु व्यापार की मात्रा में 0.2 प्रतिशत की गिरावट होने की संभावना है। जबकि 2024 में इसमें 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसमें कहा गया है कि वैश्विक विकास दर 2025 में 3.3 प्रतिशत से घटकर 2.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। भारत के सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका में वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत से घटकर 1.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। परिणामस्वरूप इस वित्तीय वर्ष में भारत के वस्तु व्यापार पर दबाव पड़ने की उम्मीद है। हालांकि, वित्त वर्ष 2026 में चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद के 1.3 प्रतिशत के सुरक्षित दायरे में रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा व्यापार में अधिशेष और मजबूत रूप से आने वाले प्रेषण (रेमिटेंस) चालू खाता घाटे को कुछ हद तक संतुलित करने में मदद करेंगे। अगर किसी राष्ट्र का आयात उसके निर्यात से अधिक है, तो वह देश का चालू खाता घाटा कहलाता है।

## बैंक की छुट्टियां: 19 जुलाई से 2 अगस्त के बीच इतने दिन बंद रहेंगे बैंक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर बैंक संबंधित कोई भी काम है तो फटाफट निपटा लें क्योंकि 19 जुलाई से 2 अगस्त के बीच कई बैंक बंद रहने वाले है। इन अवकाशों में शनिवार (दूसरा व चौथा) और रविवार शामिल है।बैंक बंद होने से चेकबुक पासबुक समेत कई बैंकिंग संबंधित काम प्रभावित हो सकते है, हालांकि ऑनलाइन सेवाएं जारी रहेंगी। भारतीय रिजर्व बैंकके अनुसार, हर महीने के दूसरे/ शनिवार को बैंक बंद रहते हैं. जबकि हर रविवार को साप्ताहिक अवकाश भी होता है। त्योहारों पर बैंकों में काम नहीं होता । भारत में बैंक की छुट्टियों में राष्ट्रीय अवकाश (राजपत्रित अवकाश) व सरकारी अवकाश (राज्य/केंद्र) शामिल हैं। राज्य सरकार की छुट्टियां अलग अलग राज्यों में अलग-अलग होती हैं, जबकि केंद्र सरकार की छुट्टियाँ पूरे देश में एक जैसी रहती हैं। क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। एक राज्य में किसी दिन अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्य में भी छुट्टी होगी।

19 जुलाईः केर पूजा के लिए अगरतला में अवकाश।
20 जुलाईः रविवार साप्ताहिक अवकाश
26 जुलाईः चौथा शनिवार
27 जुलाईः रविवार साप्ताहिक अवकाश
28 जुलाईः गंगटोक में द्रुकपा त्से-जी छुट्टी
2 अगस्त रविवार

## शिवार्चन महोत्सव 26 जुलाई से

**भोपाल।** शिवार्चन महोत्सव 26 जुलाई से शुरू होगा जो 1 अगस्त तक चलेगा। यह महोत्सव मानस उद्यान गुफा मंदिर लालघाटी में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक प्रणव शर्मा ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष 16वां सप्त दिवसीय शिवार्चन महोत्सव महंत रामप्रवेश दास के सानिध्य में धर्म ध्वज सर्व भौम संस्कृति के विद्वान ब्राह्माणों तथा नगर के सनातन धर्मविलंबी माता, बहनों के सहयोग से संपन्न होगा।

## ग्लोबल हेल्दी वर्कप्लेस समिट एंड अवार्ड्स की मेजबानी करेगा गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप

**मुंबई, एजेंसी।** गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने भारत और दुनिया की बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए गोदरेज वन, मुंबई में दो दिवसीय ग्लोबल हेल्दी वर्कप्लेस समिट एंड अवार्ड्स कार्यक्रम की मेजबानी के लिए द ग्लोबल सेंटर फॉर हेल्दी वर्कप्लेसेज और आरोग्य वर्ल्ड के साथ साझेदारी की है। ग्लोबल हेल्दी वर्कप्लेस समिट एंड अवार्ड्स का आयोजन भारत में पहली बार 20-21 नवंबर, 2025 को किया जा रहा है, और यह समिट कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण (वर्कप्लेस वेलनेस) को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक रणनीतियों का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, उद्योग निकायों, नीति निर्माताओं और संगठनों को एक साथ लाएगा। सम्मेलन को ग्लोबल सेंटर फॉर हेल्दी वर्कप्लेसेज और आरोग्य वर्ल्ड के साथ साझेदारी में क्यूरेट किया जा रहा है, जो भारत में कार्यस्थल स्वास्थ्य के पीछे एक शक्ति के रूप में तेजी से मान्यता प्राप्त एक गैर-लाभकारी संस्था है। भारत में पिछले आरोग्य वर्ल्ड शिखर सम्मेलनों की सीख पर आधारित है, जैसे कि काम के भविष्य को नेविगेट करना, कार्यस्थल कल्याण (वर्कप्लेस वेलनेस) क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एकीकृत करना, और ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) लक्ष्यों को स्वास्थ्य-केंद्रित प्रथाओं के साथ संरेखित करना, इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का उद्देश्य कार्यस्थल कल्याण क्षेत्र में नए वैश्विक मानक स्थापित करना है। यह शिखर सम्मेलन कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण में निवेश करने वाली भारत की अग्रणी कंपनियों को प्रदर्शित करेगा और दुनिया के 2025 के सबसे स्वस्थ कार्यस्थलों का भी खुलासा करेगा।

# मुकेश अंबानी की झोली में आई अमेरिका की दिग्गज कंपनी केल्विनेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल ने एक बड़ी घोषणा की है। रिलायंस रिटेल ने अमेरिका की मशहूर कंपनी केल्विनटर को खरीद लिया है। केल्विनटर एक पुरानी कंपनी है जो फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और किचन के सामान बनाती है। इसकी शुरुआत 20वीं सदी में हुई थी। 1970 और 80 के दशक में यह भारत में बहुत फेमस हुई थी। केल्विनटर के प्रोडक्ट्स मजबूत और अच्छे होते हैं। लोग इस पर भरोसा करते हैं। यह ब्रांड अच्छी तकनीक और कम कीमत के लिए जाना जाता है। रिलायंस का कहना है कि केल्विनटर को खरीदने से उसे बहुत फायदा होगा। उसके पास पहले से ही दुकानों का बड़ा नेटवर्क है। अब केल्विनटर के अच्छे प्रोडक्ट्स भी उनके साथ जुड़ जाएंगे। इससे दोनों मिलकर और भी अच्छा काम करेंगे। रिलायंस रिटेल का कहना है कि वह भारत में अपने कारोबार को और बढ़ाना चाहती है। वह ग्राहकों को अच्छी सर्विस देना चाहते हैं। इससे उन्हें लंबे समय तक फायदा होगा। भारत में लोग आजकल टिकाऊ चीजें ज्यादा खरीद रहे हैं और रिलायंस रिटेल इस मौके का फायदा उठाना चाहती है।

**क्या होगा फायदा:** रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड) की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा एम अंबानी ने कहा, हमारा हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि हम हर भारतीय की जरूरत को पूरा करें। हम चाहते हैं कि हर किसी को अच्छी तकनीक मिले, जो उनके काम आए और भविष्य के लिए तैयार हो। उन्होंने कहा कि केल्विनटर को खरीदना हमारे लिए एक बहुत बड़ा कदम है। इससे हम भारतीय ग्राहकों को और भी अच्छे प्रोडक्ट्स दे पाएंगे। हमारे पास दुकानों का बड़ा नेटवर्क है और हम अच्छी सर्विस भी देते हैं। मतलब रिलायंस रिटेल अब केल्विनटर के प्रोडक्ट्स को ज्यादा लोगों तक पहुंचा पाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे वैल्यूबल कंपनी है। कंपनी शुक्रवार शाम को पहली तिमाही का रिजल्ट जारी करेगी। शुक्रवार को 11.19 बजे बीएसई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.41 प्रतिशत गिरकर 1471.05 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

# रिपोर्ट: मोबाइल मनी से अर्थव्यवस्था ने ली करवट, भारत के नेतृत्व में बढ़ा वैश्विक वित्तीय समावेशन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विश्व बैंक की नई ग्लोबल फिनडेक्स-2025 रिपोर्ट ने डिजिटल वित्तीय बदलाव की नई तस्वीर पेश की है, जिसमें भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। रिपोर्ट बताती है कि विकासशील देशों में पहले से कहीं अधिक लोग अब मोबाइल मनी खातों के जरिये बचत कर रहे हैं और भारत जैसे देश इस वैश्विक ट्रेंड में मार्गदर्शक बनकर उभरे हैं।

रपोर्ट बताती है कि निम्न और मध्य आय वाले देशों में अब हर 10 में से एक वयस्क मोबाइल मनी खाते के जरिये बचत कर रहा है। यह 2021 की तुलना में पांच फीसद अंक की बढ़ोतरी है। विकासशील देशों में 40 फीसदी वयस्क किसी न किसी वित्तीय खाते में बचत कर रहे हैं, जो 2021 से 16 फीसदी अंक का उछाल है। यह बीते दशक में सबसे तेज वृद्धि है। इस परिवर्तन के केंद्र में डिजिटल तकनीक और मोबाइल फोन क्रांति है। मोबाइल मनी और त्वरित भुगतान प्रणाली ने वंचित वर्गों को भी औपचारिक वित्तीय ढांचे से जोड़ा है, जिससे उनकी बचत बढ़ी है और राष्ट्रीय आर्थिक प्रणालियां भी सशक्त हुई हैं।

भारत का योगदान इस वैश्विक परिवर्तन में निर्णायक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण एशिया में खाता स्वामित्व 80 फीसदी है, लेकिन यह औसत भारत के दम पर है, जहां 90 फीसदी वयस्कों के पास खाता है और 65 फीसदी के पास मोबाइल फोन। भारत की यूपीआई जैसी नवाचारी भुगतान प्रणालियों ने न सिर्फ लेनदेन को सहज बनाया, बल्कि उपभोक्ता विश्वास और सुरक्षा भी बढ़ाया। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा का कहना है

कि डिजिटल फाइनेंस के जरिये भारत जैसे देश दिखा रहे हैं कि वित्तीय समावेशन से न सिर्फ जीवन सुधरता है, बल्कि अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलती है। रिपोर्ट में महिलाओं का खाता खोलने में भारी उछाल को वास्तविक प्रगति बताया गया है। 2011 में विकासशील देशों में सिर्फ 37 फीसदी महिलाओं के पास खाता था, जो 2024 में 73 फीसदी पहुंच गया।वैश्विक स्तर 77 फीसदी महिलाओं के पास खाता है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के चेयरमैन बिल गेट्स ने इस प्रगति को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, महिलाएं वित्तीय स्थिरता और भविष्य की सुरक्षा के लिए सक्षम हो रही हैं।यह सच्ची तरक्की है। रिपोर्ट में पहली बार मोबाइल और इंटरनेट उपयोग के आंकड़े भी शामिल किए गए हैं। 86 फीसदी वयस्कों के पास मोबाइल फोन है, जिनमें से 68 फीसदी स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सरकारी भुगतान और मजदूरी अब अधिकांश सीधे खातों में भेजी जा रही हैं, जिससे न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार की आशंका भी घटी है। रिपोर्ट यह भी चेतावनी देती है कि विकासशील देशों में आधे से कम लोग अपने फोन को पासवर्ड से सुरक्षित करते हैं, जिससे साइबर चुनौतियां बढ़ती हैं।

उप-सहारा अफ्रीका में मोबाइल मनी उपयोग ने खाता स्वामित्व को 58 फीसदी तक पहुंचा दिया। पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र स्मार्टफोन उपयोग (86 फीसदी) और खाता स्वामित्व (83 फीसदी) में सबसे आगे हैं। इसी तरह, यूरोप और मध्य एशिया में 94 फीसदी से अधिक वयस्कों के पास मोबाइल एवं सबसे अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। लैटिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों में 70 फीसदी वयस्कों के पास खाता है और 50 फीसदी डिजिटल लेनदेन में शामिल हैं।

## ई अटेंडेंस के विरोध में अतिथि शिक्षकों संघ ने सौंपा ज्ञापन

**अमरवाड़ा।** आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ मध्य प्रदेश भोपाल के प्रदेश स्तरीय आह्वान पर आज संपूर्ण प्रदेश के विभिन्न ब्लाकों में अतिथि शिक्षक संगठनों ने अपनी विभिन्न मांगों सहित वर्तमान में हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ई अटेंडेंस के विरोध में अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे को ज्ञापन सौंपा। अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों का पत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और शिक्षा मंत्री उदय राव प्रताप शाह के नाम एक ज्ञापन सौंप मांगो का निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से अतिथि शिक्षको ने ई अटेंडेंस लगाने के लिए हो रही असुविधा और खामियों को गिनाया और कई प्रकार की परेशानिया बतलाई अमरवाड़ा ब्लॉक प्रभारी एवं जिला मीडिया प्रभारी योगेश चौरसिया ने बताया कि वर्तमान सत्र 2025 में लोकशिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा अतिथि शिक्षकों को दिनांक 18 जुलाई से हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ऑनलाइन ई अटेंडेंस लगाने का आदेश जारी हुआ है। जिसको शिक्षा विभाग द्वारा अनिवार्य किया गया है जो कही न कही अतिथि शिक्षकों पर मानसिक और आर्थिक रूप से दवाब है वहीं बहुत से ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले अतिथि शिक्षकों के पास एंड्रॉयड मोबाईल फोन तक नहीं है और बहुत से ग्रामीण इलाको में नेटवर्क की परेशानी है। जिसके चलते अतिथि शिक्षकों ने आज ई अटेंडेंस लगाने का विरोध कर समस्त अतिथि शिक्षकों को इससे छूट प्रदान करने और ई अटेंडेंस नहीं लगाने को लेकर ज्ञापन दिया है।साथ ही शासकीय कर्मचारियों के भांति आकस्मिक अवकाश वेतन वृद्धि सहित मोबाईल फोन हेतु राशि उपलब्ध कराने एवं पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षको को अनुभव और वरिष्ठता के साथ प्रथम वरीयता प्रदान कर समस्त शासकीय लाभ प्रदान करने और अन्य व्यवस्थाओं सहित शासकीय सुविधाओं को प्रदान करने की मांग की गई है ।

## अमरवाड़ा शिव धाम गारमेटा मंदिर में एक पेड़ मां के नाम लगाए गए पौधे

**अमरवाडा।** अमरवाड़ा में शिव धाम मंदिर में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मनसा अनुसार एक पेड़ मां के नाम पर अमरवाड़ा शिव धाम स्थित गरमेटा मन्दिर में पेड़ लगाया गया, जिसमें भाजपा नेता प्रहलाद सूर्यवंशी लकी राजपूत चंदू बर्मा वंशी बल्लू यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही द्वारा संकल्प लिया गया है कि हम हमेशा पेड़ लगाएंगे और पर्यावरण को बचाएंगे और अमरवाड़ा विधानसभा का प्रसिद्ध शिव मंदिर गरमेटा मंदिर पेड़ लगाए जा रहे हैं और एक प्रसिद्ध मंदिर हो चुका है जहां लोगों का आस्था का केंद्र भी बना हुआ है। पीएमजनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिये ली गई

## अड़ियल रवैये के खिलाफ कोयला श्रमिक सभा लामबंद प्रारम्भ हुई भूख हड़ताल

**परासिया।** नेहरिया प्रबंधन के अड़ियल रवैये के खिलाफ कोयला श्रमिक सभा लामबंद और कोयला श्रमिक सभा पेंच क्षेत्र द्वारा जेबीसीसीआई सदस्य शिवकुमार यादव के मार्गदर्शन एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी के नेतृत्व में क्रमिक भूख हड़ताल का आवाहन किया गया जिसके अंतर्गत दिन रविवार को क्रमिक भूख हड़ताल के प्रथम दिवस क्षेत्रीय पदाधिकारी अब्दुल आरिज व दीनानाथ यादव द्वारा नेहरिया शाखा के जाबाज

पदाधिकारी सुनील तिवारी उपाध्यक्ष विकास पवार सह सचिव को तिलक लगा कर एवं फूलमाला पहना कर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठाया गया। जिसमें क्षेत्रीय पदाधिकारीअब्दुल आरिज, दीनानाथ यादव एवं रमेश बुनकर द्वारा प्रबंधन के विरुद्ध जम कर नारे बजे के एवं विरोध प्रदर्शन किया गया साथ की जेबीसीसीआई सदस्य शिवकुमार यादव द्वारा मजदूर हितों में किए जा रहे कल्याणकारी एवं ऐतिहासिक निर्णयों के बारे में मजदूर साथियों को विस्तृत्व जानकारी प्रदान की व कहां अभी तो ये अंगड़ाई है आगे ओर लड़ाई है बोल मजदूर हल्ला बोल हिंद मजदूर सभा जिंदाबाद कोयलाश्रमिक सभा जिंदाबाद मजदूरों मांगे पूरी होने तक एचएमएस संगठन झुकेगा नहीं ,रुकेगा नहीं । एवं शाखा पदाधिकारियों व सदस्य मजदूर साथियों द्वारा दोनों पदाधिकारियों का उत्साह वर्धन करते हुए मजदूर एकता के जोर दार नारे लगाए गए हल्ला बोल इस भूख हड़ताल में नेहरिया शाखा अध्यक्ष भालेराव सचिव बुद्धिसागर, कोषाध्यक्ष अख्तर अंसारी ,विष्णुपुरी से क्षेत्रीय पदाधिकारी शकील खान, सलमान सिद्दीकी, रमेश बुनकर,जमालुद्दीन,पवन,जावेद ,मथनी खदान से साथी शाहिद खान ,जयराम एवं धनकश खदान से गीतेश रघुवंशी ,जुगल किशोर एवं नेहरिया शाखा के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य कामगारों साथी उपस्थित रहे

## पीएमजनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति समीक्षा

**छिन्दवाड़ा।** सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा पीएमजनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिये आज बैठक ली गई। बैठक में पीएमजनमन योजना के अंतर्गत पीवीटीजी ग्रामों के लिये स्वीकृत मोबाइल नेटवर्क, वनधन विकास केन्द्र, आंगनबाड़ी भवन, ऑन ग्रिड विद्युत कनेक्शन, बहुउद्देशीय केन्द्र, पीवीटीजी बसाहटों में सड़क निर्माण, पीवीटीजी बसाहटों में शुद्ध पेयजल एवं हॉस्टल निर्माण से संबंधित कार्यों के व्यय एवं अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। भारत सरकार जनजातीय कार्य विभाग की मंशा के अनुसार सभी कार्यों को समयसीमा में पूर्ण किये जाने की चर्चा बैठक में की गई। बैठक में पीएमजनमन से संबंधित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

एकल कम्प्यूटर ऑन व्हील...

# बस में लगे कम्प्यूटर से सीखें कम्प्यूटर कोर्स

छिंदवाड़ा। एकल कम्प्यूटर आन व्हील याने बस में कम्प्यूटर सीखें बस में 9 लैपटॉप रहते हैं जिसमें 18 बच्चे कम्प्यूटर सीख सकते हैं। एकल ग्राम उत्थान के केन्द्र सहयोजना प्रमुख दिलीप बाडिवा ने बताया कि बस वनवासी क्षेत्र के गांव गांव में जाती है और छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर के बेसिक कोर्स सीखाती है। जिससे हिन्दी, अंग्रेजी,टाईपिंग नोटपेड , वर्डपेड, पी.पी.टी. का बेसिक कोर्स एक माह का एवं तीन माह का एडवांस कोर्स है जिसका केन्द्र सरकार का सर्टिफिकेट अमरकंटक यूनिवर्सिटी द्वारा दिया जाता है। बस में ट्रेनर उमेश यादव हैं जो सीखाते हैं बस में एल.ई.डी. भी लगी है।

दिलीप वाडिवा ने बताया कि एकल ग्राम उत्थान फाऊन्डेशन की ओर से बस एवं कम्प्यूटर दिये गए हैं जो एक गांव में दो घंटे खड़ी रहती है। जिसमें बच्चे कम्प्यूटर चलाना सीखते हैं। इस तरह बस दिन में तीन गांव में जाती है। यह योजना खरगोन एवं होशंगाबाद में चल रही है। इस योजना में अभी तक वनवासी क्षेत्र के लगभग 3 हजार छात्र छात्राएं कम्प्यूटर चला रहे हैं। एवं जीविका उपार्जन कर रहे हैं। इसकी रजिस्ट्रेशन फीस विवेकानंद संस्थान के नाम से 600 रूपए लिये जाते हैं।

### बालाघाट पुलिस अधीक्षक ने बुलवाई बस, नक्सलाईट एरिया में चलेगी

दीलिप वाडिवा ने बताया कि बालाघाट पुलिस अधीक्षक आशीष मिश्रा ने बस बुलवाया है और तीन माह तक नक्सलाईट एरिया में इसे चलाया जावेगा जिससे नक्सलियों के परिवार एवं उनके बच्चे कोर्स सीख सकें और जीविकापार्जन कर सकें।

### कम्प्यूटर सेंटर का अवलोकन

बस छिंदवाड़ा आयी तो गुजराती समाज छिंदवाड़ा के लोगों ने बस का अवलोकन किया जिसमें वनराज जाडेजा, शैलेष देसाई, मीना जाडेजा, नूतन राठौर, आशीष बटाविया, मोहन भाई, कमलेश वरमैया, सतीश मालवी एवं एकल अभियान के गोविंद चौरसिया उपस्थित थे।

## युवाओं को स्कूल, कॉलेजों में दिखाई गई नशे से जागरूकता फ़िल्म, शपथ दिलाई

### पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे नशा विरोधी जन जागरूकता अभियान

**छिंदवाड़ा।** पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रदेश स्तरीय 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान में 17 जुलाई को जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नशा विरोधी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत थाना कुंडीपुरा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय भानादेही एवं शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय अतरवाडा में नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा, थाना प्रभारी कुंडीपुरा महेंद्र भगत , उप निरीक्षक आशीष वरकड़े के द्वारा मातृ सेवा संघ जिला जिला नशा मुक्ति शाह पुनर्वास केंद्र के कर्मचारियों के साथ स्कूली छात्र-छात्राओं को एनसीबी द्वारा जारी शॉर्ट फिल्म रील एवं पीपीटी दिखाई जाकर नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया गया एवं नशा मुक्ति शपथ दिलाई गई, उपस्थित आम जनों को ई शपथ लिंक के माध्यम से शपथ दिलाई जाकर शपथ पत्र डाउनलोड कराए गए, इसी प्रकार जिले के समस्त थाना अंतर्गत स्कूल कॉलेज में अलग-अलग थानों की टीम के द्वारा छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाकर जागरूक किया गया। जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में भी स्कूल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशे के दुष्परिणामों, समाज पर पड़ने वाले प्रभावों तथा युवाओं के भविष्य के प्रति संभावित खतरों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई इस क्रम में थाना परासिया अंतर्गत कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में थाना प्रभारी संजय भलावी के द्वारा खिरसाडोह पॉलिटेक्निक कॉलेज में उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया गया। इसी प्रकार थाना अमरवाड़ा में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस , थाना प्रभारी राजेंद्र धुर्वे उप निरीक्षक विजेंद्र मार्को के द्वारा शासकीय स्नातक कॉलेज अमरवाड़ा में उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया गया।

## पूर्व विधायक पं रमेश दुबे ने छात्र-छात्राओं को साइकिल का किया वितरण

### योजना से विद्यार्थियों को मिल रहा लाभ: पं रमेश दुबे

**चौरई।** मप्र शासन की निशुल्क साईकिल वितरण योजना के तहत नगर स्थित शास सांदीपनि बालक माध्य शाला के साइकिल वितरण कार्यक्रम में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे शामिल हुए। पूर्व विधायक दुबे ने नपा अध्यक्ष पूर्णिमा शरद जैन, नपा उपाध्यक्ष सिरपत नायक, नपा सभापति महेंद्र वर्मा, पार्षद अर्जुन रघुवंशी समेत भाजपा नेताओं द्वारा शाला अंतर्गत कक्षा 6-8 वीं के 34 छात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। पूर्व विधायक श्री दुबे ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते कहा कि सरकार की यह योजना विद्यार्थियों के हित और शिक्षा को बढ़ावा देने की है योजना से विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिल रहा है बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पूरे देश में अपने समाज ग्राम जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करे ।साईकिल मिलने पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व पूर्व विधायक पं रमेश दुबे समेत शासन प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। प्रधानपाठक विनोद कुमार चौरसिया ने पूर्व विधायक समेत अन्य अतिथियों का तिलक लगाकर आत्मीय अभिवादन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता ईश्वर सिंह चौधरी, संजय सुकांत, अरुण शर्मा, गुड्डू शर्मा, राजा जैन, पंकज साहू समेत शिक्षक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे ।

## जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए शीर्ष 5 में मंडला का नाम हुआ शामिल

**मंडला।** जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट के निर्देशानुसार जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत लक्षित कार्यों को समय पर पूर्ण किए जाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री मनोज भास्कर ने बताया कि मंडला जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को नल जल योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल प्रदाय करने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें मंडला को 2,38,274 कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन करने का लक्ष्य दिया गया था। लक्ष्य के विरूद्ध 1,68,137 क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण कर लिए हैं एवं छूटे परिवारों को निरन्तर रूप से पेयजल प्रदाय करने का प्रयास किया जा रहा है।

### नगर परिषद द्वारा टीन शेड में साप्ताहिक हाट बाजार लगवाया गया

**औबेदुल्लागंज (संवाददाता)।** कार्यालय नगर परिषद औबेदुल्लागंज नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे , मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण राहंगडाले एवं मुकेश कुमार जैन उपयंत्री के द्वारा दिए गए आदेश अनुसार वार्ड क्रमांक 4 स्थित साप्ताहिक हाट बाजार को अनुमानित 550 दुकान लगाए जाने हेतू कर्मचारीयो एवं दल के सहयोग से हाट बाजार की संपूर्ण आवश्यक व्यवस्था को पूर्ण साप्ताहिक हाट बाजार लगाया गया टीन सेट पर हाट बाजार लगाने से समस्त नगर वासियों को बाजार आने-जाने में सब्जी क्रय किए जाने में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होगी एवं इसका लाभ समस्त नगर वासियों को होगा इस व्यवस्था में को बनाए जाने में लगे कर्मचारी अधिकारी महेश मीणा, राजकुमार शर्मा, प्रमोद तिवारी, सुभाष सराठे ,संजय बाजपेई, राजकुमार दरोगा, एवं समस्त नगर परिषद के समस्त पार्षद गण एवं नगर के वरिष्ठ नागरिक इस कार्य को सफल बनाने हेतु विशेष रूप से उपस्थित रहे आपको बता दे की पूर्व नपाध्यक्ष तूफान सिंह राजपूत ने साप्ताहिक हाट बाजार के लिए ढाई एकड़ भूमि शासन के माध्यम से बीज निगम से बीते 10 वर्ष पूर्व स्वीकृत कराई जिसमें टीन शेड ब चबतरे का निर्माण कराया गया वहीं पूर्व पार्षद हरपाल सिंह राजपूत ने हस्ताक्षर अभियान चलाया था साप्ताहिक हाट बाजार हुआ कीचड़ मुक्त ।

## नैनो खाद से मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा

### जमीन खराब नहीं होगी, बीमारी से बचेंगे किसान, विदेशी मुद्रा की बचत होगी

छिंदवाड़ा। रवि एवं खरीफ की फसल के लिए किसानों को यूरिया की जरूरत होती है यूरिया के उपयोग से किसानों का उत्पादन तो ज्यादा मिलता है। किन्तु उससे नुकसान भी ज्यादा है यूरिया के उपयोग से जमीन भी खराब हो रही है। कैंसर जैसी बीमारी भी होती है। एवं यूरिया विदेशों से आता है तो उसमें विदेशी मुद्रा का भी नुकसान हो रहा है। सरकार की कम्पनी इफको ने नैनो यूरिया की खोज की है जो तरल पदार्थ में होती है इसमें पानी मिलाकर उसे खेतों में सींचा जाता है तो फिर यूरिया की जरूरत नहीं पड़ती है। बताया जाता है कि यूरिया में सरकार सब्सिडी बहुत दे रही है। हजार, बारह सौ की बोरी को 300 रूपए से भी कम में दिया जा रहा है। जिससे 700 रूपए के आसपास सब्सिडी दी जा रही है। एक आंकड़े के अनुसार देश में सरकार खादों में 2 लाख करोड़ की सब्सिडी प्रतिवर्ष देती है। यूरिया एवं अन्य खादें अब तरल रूप में आ रही हैं जो बहुत सस्ती पड़ती हैं। इसके छिड़काव के लिए सरकार ड्रोन उपयोग कर रही है। ड्रोन से नैनों एवं अन्य कीटनाशकों का छिड़काव सरलता से होता है। सरकार ने प्रयोग के तौर पर नैनों भी किसानों को दिया है। सरकार ड्रोन के माध्यम से खाद का छिड़काव करे तो आसानी से भारी मात्रा में किसानों के खेतों में छिड़काव होगा ड्रोन में सिर्फ आपरेटर की जरूरत पड़ती है।

**नैनो खाद पूर्णतः** देशी है जबकि यूरिया के लिए विदेशी मुद्रा की जरूरत पड़ती है अतः सरकार कुछ गांवों को चुने एवं निःशुल्क या कुछ शुल्क पर ड्रोन से खादों का छिड़काव करेगी तो विदेशी मुद्रा बचेगी और श्रम भी बचेगा। जमीन खराब नही होगी एवं बीमारी से किसान बचेगा।

### मोदी के मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेक इन इंडिया की बाते करते हैं यदि किसान नैनो खाद का उपयोग करे तो देश में उत्पादन बढ़ेगा नैनो खाद एवं ड्रोन दोनो ही हमारे देश में बनते हैं हमें विदेशों में निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। विशेष रूप से चीन से हमे यूरिया बुलाना बंद करना पड़ेगा सरकार के लाखों करोड़ बचेंगे।

## तहसीलदार ने किया अधिवक्ता से अभद्रता

### अधिवक्ताओं ने दिया कलेक्टर को ज्ञापन तहसीलदार की कार्यप्रणाली पर जताई नाराजी

**छिंदवाड़ा।** छिंदवाड़ा तहसील कार्यालय में आज एक घटना सामने आई जब तहसीलदार राजेश मरावी द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता रामकुमार भारद्वाज के साथ अभद्र व्यवहार करने और न्यायालय कक्ष से बाहर निकालने का आरोप लगा है। यह विवाद उस समय उत्पन्न हुआ जब अधिवक्ता अपने पक्षकार अनिल मालवीय (उपाध्यक्ष, केसरी नंदन हनुमान मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट, पंजीयन क्रमांक 58/14, तिलक मार्केट, स्टेशन रोड) के साथ एक आवेदन प्रस्तुत करने तहसील न्यायालय पहुंचे। अधिवक्ता के अनुसार, तहसीलदार ने पहले तो आवेदन लेने से इनकार किया और कहा कि जो मुझे लिखना था वो मैंने लिख दिया, अब रिपोर्ट आने पर ही कुछ कहूंगा। अधिवक्ता द्वारा यह कहे जाने पर कि आप आवेदन लेने से इनकार नहीं कर सकत , तहसीलदार ने ऊंची आवाज में चिल्लाते हुए उन्हें बाहर निकलने के लिए कहा। इसके बाद चपरासी को बुलाकर अधिवक्ता को न्यायालय कक्ष से बाहर निकालने का प्रयास किया गया।यह पूरी घटना न्यायालय परिसर में मौजूद कई व्यक्तियों ने देखी और सुनी। अधिवक्ता भारद्वाज ने इस व्यवहार को न केवल अपमानजनक बताया बल्कि इसे एक वरिष्ठ अधिवक्ता की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बताया। अधिवक्ता के एक समूह ने तत्काल कलेक्टर छिंदवाड़ा को आवेदन प्रस्तुत कर इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच व आवश्यक कार्यवाही की मांग की है।ट्रस्ट उपाध्यक्ष अनिल मालवीय ने भी तहसीलदार के व्यवहार को अनुचित और निंदनीय बताया है। यह घटना तहसील न्यायालय की गरिमा और न्यायिक प्रक्रिया की मर्यादा पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। अधिवक्ता संघ और संबंधित विभाग इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाते हैं, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। इस संबंध में तहसीलदार राजेश मरावी से फोन किया गया पर उन्होंने काल रिसीव नहीं किया उनका पक्ष जांच के बाद सामने आ पाएगा।

## नदी पार कर स्कूल जाते हैं बच्चे प्रशासन बेखबर

### जान जोखिम में डाल रहे झीलढाना के आदिवासी ग्रामीण

**छिंदवाड़ा।** मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ विकासखंड की ग्राम पंचायत ग्वारा के अंतर्गत आने वाला आदिवासी बहुल झीलढाना गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। आजादी के दशकों बाद भी यहां के ग्रामीण विकास की मुख्यधारा से कटे हुए हैं।गांव में ना पक्की सड़क है, ना स्वास्थ्य सुविधा, और ना ही शिक्षा के लिए कोई मजबूत आधारभूत ढांचा।

सबसे बड़ी समस्या है गांव से गुजरने वाली उफनती नदी पर अब तक पुल का निर्माण नहीं होना, जिसके चलते बच्चों को हर रोज जान जोखिम में डालकर स्कूल जाना पड़ता है।

बारिश में बन जाता है टापू, संपर्क मार्ग बाधित मानसून आते ही झीलढाना गांव टापू में तब्दील हो जाता है। बिछुआ-रामाकोना मार्ग से जोड़ने वाला रास्ता पूरी तरह कच्चा और उबड़-खाबड़ है, जो बारिश में कीचड़ और दलदल में बदल जाता है। ऐसे हालात में गांव के लोग देश के बाकी हिस्सों से कट जाते हैं। जान जोखिम में डाल स्कूल जाते हैं बच्चे गांव के प्राइमरी और मिडिल स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे उफनती नदी को पार करके स्कूल पहुंचते हैं। यही स्थिति आंगनबाड़ी में जाने वाले बच्चों की भी है। नदी पर पुल न होने से स्कूली बच्चों के साथ ही गर्भवती महिलाओं और बीमार ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हर साल कई बार जानलेवा हादसे होने का खतरा बना रहता है।प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से लगाई गुहारग्रामीणों ने कई बार पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।डिजिटल इंडिया की हकीकत पर सवालजहां एक ओर सरकार डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गांव की बात कर रही है, वहीं झीलढाना जैसे गांव की स्थिति देश के विकास की असल तस्वीर बयां करती है।

यहां आज भी सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं एक सपना बनी हुई हैं।– जैसे गांवों की समस्याएं केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास नीति पर भी सवाल खड़े करती हैं। यदि समय रहते पुल का निर्माण नहीं कराया गया, तो यहां के बच्चों का भविष्य और ग्रामीणों की जान जोखिम में बनी रहेगी।

## 2 मासूम भाइयों के हत्यारों को 12 घंटे में ही गिरफ्तार कर लाई पुलिस

### मृतक बच्चों की मां का जीजा ही निकला हत्यारा, पुलिस अधीक्षक ने पत्रकार वार्ता में पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी

**सिवनी।** बीते दिवस 02 मासूम बालकों का अपहरण कर झूठ बोलकर सायकल दिलाने का बहाना कर कटंगी रोड स्थित आमागढ़ के समीप अम्बामाई के जगंल में ले जाकर की हत्या, हत्यारा रिस्तेदार ही निकला मुख्य आरोपी।

पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता के दोरान पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता ने घटना का संक्षिप्त विवरण देते हुए बताया कि 16 जुलाई,2025 को प्रार्थिया पूजा ढाकरिया पति धर्मेन्द्र ढाकरिया उम्र 30 वर्ष निवासी नामदेव के किराये के मकान में महावीर व्यायाम शाला के पास सुभाष वार्ड सिवनी ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसके नाबालिग बेटे दिव्यांश ढाकरिया उम्र 06 वर्ष एवं मयंक ढाकरिया उम्र 09 वर्ष को 15 जुलाई,2025 को शाम करीब 17/00 बजे के मध्य प्रार्थिया के घर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने कि रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुध्द पृथक - पृथक अपराध क्रमांक 597/2025 धारा 137(2) बीएनएस एवं 598/2025 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

अपहृत बालकों की दस्तयाबी के लिए पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, .द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक सिवनी के नेतृत्व में थाना कोतवाली,थाना डुण्डासिवनी, थाना अरी की संयुक्त टीम गठित की गई विवेचना के दौरान अपहृत बालक दिव्यांश ढाकरिया एवं मयंक ढाकरिया की तलाश पतासाजी तत्परता से की गई । की गयी विवेचना मुखबिर सूचना पर जानकारी प्राप्त हुई कि घसियारी चौक से एक आटो मे दो बच्चो को एक युवक बैठाकर ले जाते देखा गया है। संबंधित आटो की तलाश कर आटो चालक को बच्चो की फोटो दिखाई गई जिसको आटो चालक ने पहचान कर बताया कि उक्त दोनो बच्चे एक युवक के साथ मेरी आटो मे बैठे थे जिन्हे मैने घसियारी से आईरीस स्कुल तक छोडा हुँ। और बच्चे उस युवक को मौसा कह रहे थे। प्रार्थीया से पुछने पर उसने अपनी बहन करिश्मा के पति भोजराम बेलबंशी निवासी ढारिया पर शक जाहीर किया।

विवेचना के दौरान तत्काल भोजराम बेलवंशी की तलाश पतासाजी कर थाना बुलाकर सुझबुझ एवं सख्ती से पूछताछ करने पर संदेही भोजराम बेलवंशी के द्वारा बताया कि 15 जुलाई,2025 को करीब 5.30 बजे शाम को बालक मयंक एवं दिव्यांश के स्कूल से आने के बाद घसियारी चौक सिवनी से किराये के आटो में बैठाकर सायकल दिलाने के बहाने जनता नगर चौक तक लेकर गया था फिर जनता नगर चौक में दोस्त शुभम उर्फ यश मिला जिसकी मोटर सायकल से मयंक एवं दिव्यांश को बैठाकर हम चारों आमागढ से अम्बामाई के जंगल में ले गये थे जहाँ रात्री में करीब 08.30 बजे धारदार चाकू से दिव्यांश ढाकरिया एवं मयंक ढाकरिया की एक धारदार चाकू से गला रेतकर हत्या कर शव को नाली में पत्थर से छिपा देना बताने पर शव को अम्बामाई के जंगल से 16 जुलाई,2025 को दस्तयाब किया जाकर शव पंचनामा कार्रवाई कर पीएम कराया गया हैं तथा दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी जाकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाकर अग्रीम कार्रवाई की जावेगी ।

हत्या का मुख्य कारण- पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता ने बताया कि आरोपी भोजराम बेलवंशी प्रार्थिया से एकतरफा लगाव रखता था जिस कारण वह प्रार्थिया के घर बार-बार आना जाना करता था । प्रार्थिया अपने पति से अलग दोनों बालकों के साथ रहती थी जिस पर आरोपी भोजराम बेलवंशी की गलत नियत रखता था, दोनों नाबालिग बालक अपने मां के साथ रहते थे जिसके कारण आरोपी अपने गलत मंसुबे में कामयाब नहीं हो पा रहा था । पूर्व में भी आरोपी ने प्रार्थिया को उसके बच्चों को उठा लेने की धमकी दी थी ।

आवश्यकता है
एम पी ऑनलाईन में कार्य हेतु आवश्यकता है, व्यक्तिगत सम्पर्क करें, 11 से शाम 6 बजे तक सम्पर्क करें
:: सम्पर्क ::
बालाजी एसोशिएट,गर्ल्स के सामने प्रेस काम्पलेक्स छिंदवाड़ा म.प्र.

## नगर परिषद औबेदुल्लागंज परिसर में नमस्ते दिवस मनाया गया

**औबेदुल्लागंज (संवाददाता)।** नगर परिषद ओबेदुल्लागंज के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण रंहगडाले एवं स्वच्छता नोडल अधिकारी मुकेश कुमार जैन के मार्गदर्शन में स्वच्छता प्रभारी उमेश चंदेल एवं स्वच्छता सहायक जितेंद्र सिरसवाल टीम अभिनव संस्था हरीश गोहिया के नेतृत्व में शुभम लोधी द्वारा नगर परिषद औबेदुल्लागंज परिसर में नमस्ते दिवस मनाया गया जिसमें स्वच्छता नोडल अधिकारी मुकेश कुमार जैन के द्वारा सफाई कर्मियों को कीट प्रदान की गयी और साथ में आयुष्मान कार्ड भी दिए गए एवं सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान की भी जानकारी दी एवं साफ सफाई रखेंगे स्वस्थ रहेंगे के बैनर के माध्यम से समझाया गया कि हमेशा काम करते समय सुरक्षा उपकरण का उपयोग करें ओर सफाई अपनाओगे तो बीमारी नहीं होगी ।

## सोशल मीडिया से

Jagdish Kaushal
17 Jul 2020 ·

सखि। वन -वन घन गरजे
श्रवण निनाद मगन -मन उन्मन
प्राण -पवन-कण लरजे
पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन जी की इन पंक्तियों को साकार करता हुआ मेरे द्वारा आज से 60 वर्ष पूर्व क्लिक किया गया यह फोटो फेसबुक पर मित्रों के लिए सादर समर्पित सावन मास में छाई हुई घनघोर घटाओ का आनंद लेते हुई दो सखियां

# प्रदेश में आज रेड अलर्ट

## 7 जिलों में अति भारी बारिश की चेतावनी जारी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में मानसून ट्रफ और डिप्रेशन के कारण लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। शुक्रवार को ग्वालियर-चंबल अंचल के 7 जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, अशोकनगर, विदिशा, सागर, दमोह, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और मऊगंज में भी तेज बारिश की संभावना जताई गई है। रीवा, सतना, डिंडौरी और मऊगंज में एहतियातन शुक्रवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। गुरुवार को सतना, डिंडौरी और मऊगंज सहित 26 से अधिक जिलों में तेज वर्षा दर्ज की गई। उफनते नदी-नालों के चलते कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ और कॉलेज परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं।भोपाल में बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया, जबकि शहडोल में सीवर लाइन की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई।

### दो दिन भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने जानकारी दी कि फिलहाल प्रदेश के ऊपर से एक मानसून ट्रफ गुजर रही है, जिसके चलते राज्य के उत्तरी क्षेत्रों में आगामी दो दिन तक भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है। गौरतलब है कि इस मानसूनी सीजन में प्रदेश में अब तक औसतन 18.5 इंच वर्षा हो चुकी है, जबकि सामान्यतः इस समय तक केवल 11 इंच बारिश की अपेक्षा थी। यानी इस बार सामान्य से करीब 7.5 इंच अधिक वर्षा दर्ज की गई है। खास बात यह है कि इस बार मानसून ने प्रदेश के पूर्वी हिस्सों पर कुछ ज्यादा ही मेहरबानी दिखाई है।

### इन जिलों में आज बरसेंगे बादल

मौसम विभाग का अनुमान है कि छतरपुर, दमोह, कटनी, पन्ना, सागर, सतना और टीकमगढ़ जिलों में अचानक बाढ़ की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा अशोकनगर, दतिया, गुना, ग्वालियर, मुरैना, राजगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और विदिशा जैसे जिलों में भी बाढ़ का खतरा बना हुआ है। गौर करने वाली बात यह है कि इस मानसूनी सत्र में प्रदेश में अब तक औसतन 19.2 इंच वर्षा हो चुकी है, जबकि सामान्य तौर पर इस समय तक केवल 11.5 इंच बारिश अपेक्षित थी। इस तरह कुल 7.7 इंच अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

# अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से होगा आयुर्वेदिक इलाज, रोगों से बचाव-डाइट प्लान सब कुछ बताएगा

**भोपाल।** अब आपकी सेहत का ख्याल आयुर्वेद और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिलकर रखेंगे। भोपाल के पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद अस्पताल व महाविद्यालय में एक नई पहल की शुरुआत की गई है, जिसके तहत हर मरीज के लिए उसकी उम्र, आदतों, खानपान, मानसिक स्थिति और दोष (वात, पित्त, कफ) के आधार पर एक पर्सनल हेल्थ प्लान तैयार किया जाएगा। यह पहल आयुर्वेद को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। कलियासोत की पहाड़ियों पर स्थित इस महाविद्यालय में अब एआई-आधारित मशीन लाने की तैयारी चल रही है। यह तकनीक मरीज के लक्षणों और शारीरिक विवरण के आधार पर न केवल संभावित बीमारी की पहचान करेगी, बल्कि यह भी बताएगी कि उसके लिए कौन सी आयुर्वेदिक दवा उपयुक्त है, कैसी दिनचर्या अपनाई जानी चाहिए और किस प्रकार का भोजन और योग-प्राणायाम उसके लिए लाभकारी रहेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने बताया कि हम आयुर्वेद को तकनीक से जोड़कर उपचार को और भी प्रभावी बनाना चाहते हैं। हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, उसकी उम्र, मानसिक स्थिति और दोष अलग होते हैं। ऐसे में एआई तकनीक की मदद से हम बीमारी की सटीक पहचान कर उस अनुसार दवा और जीवनशैली की सलाह दे सकेंगे।

### इन रोगों पर रहेगा विशेष फोकस

इस तकनीक के माध्यम से खासकर डायबिटीज, मोटापा, कुपोषण, टीबी और हृदय रोग से पीड़ित मरीजों की नियमित निगरानी की जाएगी। खानपान और लाइफस्टाइल में सुधार लाकर इन बीमारियों से बचाव और नियंत्रण संभव है। एआई तकनीक समय-समय पर मरीज को अलर्ट और सलाह भी देगी।

### हर मरीज के लिए अलग प्लान

डॉक्टरों का कहना है कि एआई समझता है कि हर इंसान की जरूरत अलग होती है। कोई युवा है, तो कोई बुजुर्ग, किसी का पित्त दोष ज्यादा होता है तो किसी का वात या कफ। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए तकनीक हर मरीज के लिए अलग व्यक्तिगत स्वास्थ्य योजना तैयार करती है। इससे इलाज ज्यादा प्रभावी और टिकाऊ होगा।

# बांग्लादेश का अब्दुल किन्नर बनकर भोपाल में कई साल से रह रहा था, नाम नेहा रखा

**भोपाल।** एक बांग्लादेशी अवैध रूप से भोपाल में रहते हुए पकड़ा गया है। बांग्लादेश का निवासी अब्दुल कलाम भोपाल में किन्नर बनकर वर्षों से रह रहा था। अब्दुल ने खुद का नाम नेहा किन्नर रखा था, वह इस नाम से पहचान पत्र भी बनवा चुका है और उसी का उपयोग कर वह खुद को भारतीय बताता था। केंद्र सरकार द्वारा बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों की तलाश शुरू की गई, तब भोपाल में अब्दुल कलाम के छिपे होने का खुलासा हुआ। अब अब्दुल कलाम को डिपोर्ट किए जाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। वह बुधवारा क्षेत्र में रहता था। उसके खिलाफ तलैया पुलिस ने कार्रवाई की है। वह पुलिस की सुरक्षा में रह रहा है। खुलासा हुआ है कि अब्दुल जांच एजेंसियों से बचने के लिए किन्नर बनकर राजधानी में घूमता रहता था। यह कार्रवाई इंटेलीजेंस यूनिट द्वारा की गई है। पहचान छिपाने के लिए उसने लड़की का भेष बना रखा है और अपना नाम भी नेहा रखा है।

### किन्नर बनकर शहर में निकलता था

पुलिस के अनुसार बांग्लादेशी नागरिक अब्दुल को भोपाल के बुधवारा इलाके से पकड़ा गया है। उसका असली नाम अदुल कलाम है। वह भोपाल में नेहा के नाम से रह रहा था। चोरी छिपे भोपाल में वह कई साल से रह रहा था। वह किन्नर बनकर शहर में यहां-वहां निकलता था। अब्दुल कलाम उर्फ नेहा ने बकायदा फर्जी तरीके से परिचय-पत्र भी बनवा लिया था। इसके संबंध में भी अंदरखाने पड़ताल की जा रही है। क्योंकि वह परिचय पत्र बनाने में कैसे सफल हो गया, बड़ा सवाल है। उससे पुलिस पूछताछ कर रही है। पूछताछ भी बेहद गोपनीय तरीके से की जा रही है। अब्दुल के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड की भी जांच भी इंटेलीजेंस यूनिट कर रही है। उसके मोबाइल को जब्त कर साइबर क्राइम की मदद से चौटिंग से लेकर बातचीत की जानकारी जुटाई जा रही है। उसके जिन लोगों के साथ संपर्क थे, उनसे भी क्राइम ब्रांच में एक स्पेशल टीम अलग से पूछताछ कर रही है। अब्दुल कलाम के भोपाल में होने की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी भेज दी गई है।

# रालामंडल बनेगा ऑक्सीजन बॉक्स, एक किलोमीटर दायरे में प्रतिबंधित रहेगा निर्माण

**भोपाल।** इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में रालामंडल अभ्यारण्य क्षेत्र के अंतर्गत आवासीय भूमि उपयोग हेतु तैयार किए गए नियोजन मापदंडों पर विचार करने के लिए ईको सेंसिटिव जोन समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के सभाकक्ष में संपन्न हुई। संभागायुक्त दीपक सिंह ने रालामंडल अभ्यारण्य के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह क्षेत्र इंदौर जैसे महानगर के लिए ऑक्सीजन बॉक्स के रूप में कार्य कर सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि रालामंडल की पहाड़ियों को जोड़कर ग्रीन कॉरिडोर का विकास किया जाए ताकि वन्यजीवों का आवास संरक्षित रहे और वे स्वतंत्र रूप से विचरण कर सकें। संभागायुक्त ने नगर एवं ग्राम निवेश, आईडीए, नगर निगम, वन विभाग, राजस्व विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संयुक्त रूप से फील्ड विजिट कर प्रस्तावित ग्रीन कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईको सेंसिटिव जोन से एक किलोमीटर के दायरे में सघन नगरीय विकास नहीं होना चाहिए। बैठक में यह भी बताया गया कि ईको सेंसिटिव जोन के तहत नियोजन मापदंडों में प्रत्येक भूखंड का न्यूनतम क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर निर्धारित किया गया है। निर्माण क्षेत्र अधिकतम 15त्न तक सीमित रहेगा, जबकि भवन की ऊंचाई 12.5 मीटर से अधिक नहीं होगी। साथ ही कम से कम 10त्न क्षेत्र खुला रखना अनिवार्य होगा। इन नियमों का उद्देश्य क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना और विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। बैठक में मुख्य वन संरक्षक पी.एन. मिश्रा, अपर कलेक्टर गौरव बैनल, पीएचई विभाग के मुख्य अभियंता संजय कुमार, नगर एवं ग्राम निवेश के संयुक्त संचालक सुभाषीश बेनर्जी, संयुक्त कलेक्टर सुप्रिया पटेल, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी एस.एन. द्विवेदी, वन विभाग के एसडीओ योहन कटारा और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# खेलते-खेलते पानी में डूब गए 2 दोस्त, दोनों की मौत

**भोपाल।** सतना जिले की रेलवे कॉलोनी उस समय मातम में डूब गई जब मनोरंजन गृह के पीछे एक खुले और पानी से भरे गड्ढे में दो किशोरों की लाशें मिलीं। नितिन कुशवाहा (17) और अमन भट्ट (18), जो एक-दूसरे के पड़ोसी और घनिष्ठमित्र थे, बारिश के बाद मस्ती करते हुए घर से निकले थे, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह मस्ती उनकी जिंदगी का आखिरी पल बन जाएगा। कॉलोनी के पास से गुजरते समय कुछ लोगों ने गड्ढे में चप्पल-जूते तैरते देखे। शक होने पर पास जाकर देखा तो एक किशोर का शव पानी में दिखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना जीआरपी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से एक शव बाहर निकाला। दूसरे किशोर का शव गहरे पानी में फंसा था जिसे एसडीईआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर निकाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों किशोर खेलते-खेलते सड़क किनारे भरे पानी में मस्ती करने गए थे, लेकिन गहराई का अंदाजा न होने से दोनों डूब गए। बताया जा रहा है कि जिस गड्ढे में यह हादसा हुआ, वह किसी पुराने निर्माण कार्य का हिस्सा था, जिसे समय रहते नहीं भरा गया था। बारिश के चलते वह पूरी तरह पानी से भर गया था और जानलेवा बन गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। वहीं, स्थानीय लोगों में प्रशासन की लापरवाही को लेकर नाराजगी है, जो समय रहते इस गड्ढे को भरने में नाकाम रहा और दो जिंदगियां लील गया।

## रीवा पुलिस ने सड़क हादसों को रोकने के लिए खोजा गजब का आइडिया

# मौत की सोहागी घाटी में टांग दिए दुर्घटनाग्रस्त वाहन

**रीवा।** जिले को प्रयागराज से जोड़ने वाले एनएच 30 में स्थित सोहगी घाटी में गंभीर सड़क हादसे होते हैं। मौत की घाटी कही जाने वाली सोहागी घाटी में अब तक कई ऐसे दिल दहला देने वाले हादसे हो चुके हैं। इस घाटी मे हुई सड़क दुर्घटनाओं में अबतक सैकड़ो लोग अपनी जान गवां चुके हैं। एक्सप्रेसवे पर रोड एक्सीडेंट रोकने के लिए रीवा पुलिस ने गजब की तरकीब खोज निकाली और यात्रियों को अलर्ट करने के लिए घाटी के सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त वाहन टांग दिए। पुलिस का कहना है कि एक्सीडेंटल वाहन को देखकर लोगों में जागरुकता आए, इसलिए सड़क हादसे के शिकार वाहनों को हाईवे पर टांगा गया है। सड़क हादसे का शिकार हुए ये एक्सीडेंटल चार पहिया वाहन हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों के लिए एक सांकेतिक बोर्ड की तरह काम करेंगे जो लोगो को यह याद दिलएगा कि आप सावधान होकर वाहन चलाएं क्योकि आप दुर्घटना संभावित क्षेत्र से गुजर रहे रहे हैं। वाहन चलाते समय जरा सी भी लापरवाही जान ले सकती है। हाल ही मे कलेक्टर प्रतिभा पाल के द्वारा बताया गया था कि जल्द ही एमपीआरडीसी 24 करोड़ रुपए खर्च करके सोहागी पहाड़ में चिंन्हित किए गए ब्लैक स्पॉट वाली जगहों का स्वरुप बदलेगा। जिसमें इंजिनियरिंग व तकनीकी मदद भी ली जाएगी। इससे घाटी में होने वाले हादसे समाप्त हो जाएंगे।

**घाटी के दो खतरनाक पॉइंट मे रखे गए है दुर्घटनाग्रस्त वाहन-** पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह की ओर घाटी में होने वाले हादसों को रोकने के लिए उसमे नवाचार करने के लिए निर्देश दिए गए थे। इसके बाद सोहागी घाटी की सडक के किनारे दो पॉइंट मे दुर्घटना का शिकार हुई एक्सीडेंटल चार पहिया वाहनों को रखा गया जिससे वहां से गुजरने वाले लोग उसे देखे और खुद के लिए चेतावनी समझें कि जरा सी लापरवाही से वह भी हादसे का शिकार हो सकते है। इन वाहनों के साथ ही जल्द होर्डिंग और साइनिंग बोर्ड भी लगाए जाएंगे जिसमें यातायात सुरक्षा सम्बन्धी जरुरी निर्देश होंगे।

### 6 सालों के अंदर 100 से अधिक मौत

नेशनल हाईवे 30 के सोहागी पहाड़ में हुए सडक दुर्घटनाओं में हुई लोगो की मौत के आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2019 से 2024 तक 75 से भी अधिक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे हो चुके हैं। इसमें 72 से भी अधिक लोगों ने अपनी जान गवाई। इसके बाद अगर 2025 की बात करें तो सोहागी घाटी मे लगभग 20 लोगों की सडक हादसे में मौत हुई। इसमें कई सडक दुर्घटनाएं तो वीभत्स कर देने वाली थी। 8 किलोमीटर लम्बा सोहागी पहाड़ लोगों के लिए मुसीबत बन कर उभरता गया। इसके चलते लोग अब इसे खूनी और मौत की घाटी भी कहने लगे हैं।

### सड़क की डिजाइन पर उठाए थे सवाल

सडक हादसों के बाद जिले के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सोहागी पहाड़ मे स्थित सड़क की डिजाइन को लेकर कई सवाल खड़े किए थे। उनका कहना था कि घाटी की सडक निर्माण के दौरान मानक मापदंडों का पालन नहीं किया गया है। इसके चलते सोहागी पहाड़ हादसों का गढ़ बन गया।

# सोनम का सामान फ्लैट से निकालने वाले सिलोम जेम्स को मिली जमानत

**इंदौर।** राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलांग कोर्ट ने सिलोम जेम्स को जमानत दे दी है। सिलोम जेम्स इंदौर का वह प्रॉपर्टी ब्रोकर है, जिसके जरिए विशाल और राज कुशवाह ने एक फ्लैट लिया था। राजा रघुवंशी की हत्या के बाद भागकर इंदौर आई सोनम रघुवंशी इसी फ्लैट में ठहरी थी। सोनम के गाजीपुर में पकड़े जाने के बाद ब्रोकर सिलोम ने उसका सामान फ्लैट से निकाल लिया था। इसके बाद उसने जेवर रतलाम में अपने रिश्तेदार के घर भेज दिए थे और बैग को जलाने के बाद कुछ सामान नाले में फेंक दिया था। इंदौर में हत्याकांड की जांच के दौरान शिलांग पुलिस ने ब्रोकर को पकड़कर पूछताछ की तो उसने सोनम का सामान फ्लैट से निकालने की बात कबूल ली थी। इसके बाद उसने वह स्थान बताया जहां बैग जलाया था। इसके साथ ही नाले में फेंका गया सामान भी बरामद करवाया। शिलांग पुलिस उसे लेकर रतलाम भी गई थी। वहां रिश्तेदारों के पास से भी कुछ सामान मिला था। इस पूरे मामले में सिलोम जेम्स पर साक्ष्य छिपाने का आरोप लगा था। सिलोम के साथ बिल्डिंग के मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर और गार्ड बलवीर अहिरवार को गिरफ्तार किया गया था, इन दोनों को पहले ही जमानत दी जा चुकी है। राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच में उस समय नया मोड़ आ गया था जब सोनम और राज ने पूछताछ में बार-बार यही बताया कि सामान इंदौर में किराए पर लिए गए फ्लैट में ही रखा है। लेकिन जब वहां जांच की गई थी तो कुछ भी नहीं मिला था। ऐसे में शक ब्रोकर सिलोम पर गया, जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो सारा राज उगल दिया।

सुलभ शौचालय का शुल्क बढ़ाए जाने पर विरोध प्रदर्शन।